कोटद्वार, मंगलवार
26 अगस्त 2025
वर्ष: 47
अंक: 113 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल
डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

पिथौरागढ़– मुनस्यारी हेलीसेवा 30 सितंबर तक शुरु होगी

देहरादून। पिथौरागढ़ और मुनस्यारी के बीच उड़ान योजना के तहत हेली सेवा का संचालन 30 सितंबर तक होने की उम्मीद है। केंद्र सरकार ने इस रूट पर हवाई सेवा के संचालन के लिए हैरिटेज एविएशन का चयन किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बीते दिनों केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राममोहन नायडू से राज्य में हेली सेवाओं के विस्तार में सहयोग मांगा था। इसी क्रम में केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर इसकी जानकारी दी। कहा कि यह सेवा 30 सितंबर तक शुरु होने की उम्मीद है। इसी तरह पिथौरागढ़– धारचूला– पिथौरागढ़ मार्ग पर भी उड़ान योजना के तहत हेली सेवा की तैयारी की जा रही है, इसके लिए धारचूला में हेलीपैड बनाने के लिए जमीन की आवश्यकता है। इस रूट पर भी सेवा संचालन के लिए हैरिटेज एविएशन को प्रारंभिक सहमति प्रदान की गई है। इसी तरह पिथौरागढ़– दिल्ली के बीच उड़ान योजना के तहत सेवा संचालन का प्रस्ताव एयरलाइंस की तरफ से आने पर इस पर सकारात्मक होकर विचार किया जाएगा। टनकपुर झ अछनेरा रेल सेवा का अध्ययन केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर बताया है कि मंत्रालय, राज्य सरकार की मांग के अनुरूप अछनेरा– टनकपुर विशेष रेलगाड़ी परिचालन के लिए फिजिबिलिटी अध्ययन करवा रहा है, इसी क्रम में आगे की कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हेली और रेल नेटवर्क में विस्तार के लिए दोनों केंद्रीय मंत्रियों का आभार व्यक्त किया है।

शिक्षा विभाग में अब कनिष्ठ शिक्षकों से कम नहीं होगा वरिष्ठ का वेतन

देहरादून। शिक्षा विभाग में कई स्तर पर वेतन विसंगति के मामले सामने आ रहे थे। खासतौर पर छठे और सातवें वेतनमान में वरिष्ठ अध्यापक का वेतन कनिष्ठ अध्यापक से कम होने के प्रकरण लगातार सामने आ रहे थे। सरकार ने इस पर स्थिति को स्पष्ट किया है। इसमें अब वरिष्ठ शिक्षक का वेतन कनिष्ठ अध्यापक से कम नहीं होगा। ऐसी स्थिति आने पर वरिष्ठ अध्यापक को भी कनिष्ठ अध्यापक के समान वेतन निर्धारित कर दिया जाएगा। शिक्षा सचिव रविनाथ रमन ने सोमवार को माध्यमिक शिक्षा निदेशक को इस बारे में आदेश जारी किए। शिक्षा निदेशालय की ओर से छठे और सातवें वेतनमान में वरिष्ठ अध्यापक का वेतन कनिष्ठ शिक्षक से कम होने के संबंध में दिशा–निर्देश मांगे गए थे। शिक्षा सचिव ने स्पष्ट किया अगर शिक्षकों के वेतन निर्धारण में यह स्थिति आती है कि कनिष्ठ शिक्षक का वेतन वरिष्ठ से अधिक हो जाता है तो वरिष्ठ अध्यापक को भी उसी वेतन वृद्धि की तिथि से कनिष्ठ के समान वेतन वृद्धि दी जाएगी। यानी कि दोनों की वेतनवृद्धि की तिथि की गणना एक ही दिन से की जाएगी और वरिष्ठ अध्यापक को कनिष्ठ अध्यापक के समान वेतन मिलने लगेगा। इन पर भी स्थिति को स्पष्ट – वरिष्ठ और कनिष्ठ शिक्षक की सीधी भर्ती का पद एक ही हो तथा वरिष्ठ शिक्षक की सीधी भर्ती के पद पर नियुक्त कनिष्ठ से पूर्व या समान तिथि को की गई हो। – वरिष्ठ शिक्षक की स्थिति हमेशा कनिष्ठ की अपेक्षा उच्च या समान रही हो। –वरिष्ठ शिक्षक का वेतन किसी प्रशासनिक निर्णय जैसे दंडात्मक आदेश के फलस्वरूप कम न किया गया हो। –कनिष्ठ शिक्षक का वेतन किसी अन्य कारण जैसे वेतन संरक्षण, विशिष्ट योग्यता या पुरस्कार के रूप में स्वीकृत विशेष वेतन वृद्धि के कारण अधिक न हो।

अब तक 4000 सत्यापन, एक बांग्लादेशी समेत 300 से अधिक गिरफ्तार

देहरादून : देवभूमि उत्तराखंड के मूल स्वरूप को सुरक्षित रखने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में चलाया जा रहा ऑपरेशन कालनेमि प्रदेशभर में बड़ी सफलता हासिल कर रहा है। यह व्यापक अभियान उन असामाजिक तत्वों पर शिकंजा कस रहा है, जो अपनी पहचान छिपाकर सनातन संस्कृति की आड़ में ठगी और धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ करने का कार्य कर रहे थे। मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में पुलिस और प्रशासन ने अब तक प्रदेश में 4000 से अधिक लोगों का सत्यापन किया है, जिनमें से 300 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई साबित करती है कि धामी सरकार देवभूमि के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक स्वरूप से कोई समझौता नहीं करेगी। इस अभियान का असर सबसे अधिक उन जिलों में देखा जा रहा है, जहां बाहरी तत्वों की सक्रियता की सूचना मिली थी। हरिद्वार जिले में 2301 लोगों का सत्यापन और 162 गिरफ्तारियां, देहरादून में 865 सत्यापन और 113 गिरफ्तारियां, जबकि उधम सिंह नगर में 167 सत्यापन और 17 गिरफ्तारियां की गई हैं।

विपक्ष जेल को पीएम–सीएम हाउस बनाना चाहता है-अमित शाह

नई दिल्ली ,पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे को लेकर बढ़ती अटकलों के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को विपक्ष के सभी दावों को खारिज कर दिया। अमित शाह ने विपक्ष पर खूब निशाने साधे। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे को लेकर हुए अमित शाह ने कहा, धनखड़ जी एक संवैधानिक पद पर आसीन थे और अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने संविधान के अनुरूप अच्छा काम किया। उन्होंने अपनी व्यक्तिगत स्वास्थ्य समस्या के कारण इस्तीफा दिया है। किसी को भी इसे ज्यादा खींचकर कुछ खोजने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।

विपक्ष ने लगाए थे गंभीर आरोप

इस दौरान 130वें संविधान संशोधन विधेयक के खिलाफ विपक्ष के रुख पर उन्होंने कहा कि आज भी विपक्ष के लोग कोशिश कर रहे हैं कि अगर कभी जेल गए तो जेल से ही आसानी से सरकार बना लेंगे। जेल को ही सीएम हाउस, पीएम हाउस बना देंगे और डीजीपी, मुख्य सचिव, कैबिनेट सचिव या गृह सचिव जेल से ही आदेश लेंगे। ऐसा नहीं हो सकता। उन्होंने भरोसा जताया कि कांग्रेस पार्टी के कई लोग इस बिल का समर्थन करेंगे और यह बिल आसानी से पास होगा। विपक्ष पर निशाना साधते हुए गृहमंत्री ने कहा लालू यादव को बचाने के लिए मनमोहन सिंह द्वारा लाए गए अध्यादेश को फाड़ने का राहुल गांधी का क्या औचित्य था? अगर उस दिन नैतिकता थी, तो क्या आज नहीं है क्योंकि आप लगातार तीन चुनाव हार चुके हैं? मुझे पूरा विश्वास है कि विपक्ष में ऐसे कई लोग होंगे जो नैतिकता का समर्थन करेंगे और नैतिकता के आधार को बनाए रखेंगे। अमित शाह ने कहा कि विपक्ष के नेता जिस कानून का विरोध कर रहे हैं। अगर वह पहले से बना होता तो जब केजरीवाल को जेल हुई थी, तब उन्हें इस्तीफा देना पड़ता।

ईडी को देखते ही दीवार कूदकर भागे टीएमसी विधायक जीवन कृष्ण साहा

कोलकाता, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल में शिक्षक और कर्मचारियों की भर्ती घोटाले के सिलसिले में सोमवार को मुर्शिदाबाद में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के विधायक जीवन कृष्ण साहा के घर पर छापेमारी की। केंद्रीय एजेंसी की टीम को देखते ही विधायक ने दीवार फांदकर भागने की कोशिश की और अपना फोन झाड़ियों में फेंक दिया। हालांकि, टीम ने उनको दौड़कर पकड़ लिया। मामले में साहा की पत्नी से पूछताछ हो चुकी है। एजेंसियों ने साहा को दौड़ाकर पकड़ा तो उनके पास मोबाइल नहीं था। टीम ने पूछताछ की तो उन्होंने उसे झाड़ियों में फेंकने की बात कही। इसके बाद टीम ने उनको साथ लेकर झाड़ियों में तलाशी ली और फोन को ढूंढ निकाला। उनको फोन कीचड़ में सना था। टीम ने साहा के रिश्तेदारों के घर पर भी छापा मारा था। टीम वीरभूम के सैंथिया में टीएमसी पार्षद और साहा की रिश्तेदार माया साहा के आवास पर भी पहुंची थी। मुर्शिदाबाद जिले के बुरवान विधानसभा से विधायक कृष्ण साहा 2023 में भी इसी घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार हो चुके हैं।

12 घंटे बाद सुचारु हुआ ऋषिकेश–श्रीनगर हाईवे पर यातायात

ऋषिकेश। ऋषिकेश–श्रीनगर हाईवे मलबा गिरने से 12 घंटे बाधित रहा। शिवपुरी के पास बीती रविवार रात आठ बजे मलबा आ गया था। भारी बारिश के चलते मलबा हटाने में 12 घंटे लग गए। उधर, चीला–हरिद्वार वैकल्पिक मार्ग भी बरसाती बीन नदी के उफानाने से दिनभर बाधित होता रहा।

बीती रविवार रात आठ बजे ऋषिकेश–श्रीनगर हाईवे पर शिवपुरी के पास मलबा गिरने का सिलसिला शुरू हो गया। भारी बारिश के चलते रातभर मलबा गिरता रहा। जिस कारण जेसीबी को मलबा हटाने में दिक्कत आई। सोमवार सुबह करीब पौने आठ बजे के आसपास मलबा हटाने के बाद यातायात सामान्य हो पाया। पुलिस ने रात से ही वाहनों का रूट डायवर्ट कर उन्हें नरेन्द्रनगर होकर श्रीनगर भेजा। एनएच के सहायक अभियंता ललित मोहन बेंजवाल ने बताया कि बारिश के चलते कौड़ियाला, व्यासी समेत विभिन्न स्थानों पर भूस्खलन हो रहा है। बीती रविवार रात 08 बजे मलबा आने से शिवुपरी के पास मार्ग बाधित हो गया। तेज बारिश के चलते मलबा हटाने में परेशानी आई। सोमवार सुबह करीब आठ बजे मलबा हटाकर मार्ग खोल दिया गया। रानीपोखरी–नरेन्द्रनगर मार्ग भी खुला ऋषिकेश। रानीपोखरी–नरेन्द्रनगर मार्ग तीन दिन बाद वाहनों के लिये खुल पाया है। चट्टान टूटकर गिरने से सड़क धंसने के साथ कई स्थान पर मलबा आ गिरा था। जिसे हटाने में तीन दिन लग गये। सोमवार को मार्ग पर वाहन चलने से पहाड़ आने जाने वालों को राहत मिली। एसएसपी टिहरी आयुष अग्रवाल ने बताया कि सोमवार सुबह मार्ग खुल गया है।

नलूणा में भारी भूस्खलन से गंगोत्री हाईवे ठप

उत्तरकाशी। गंगोत्री हाईवे पर लगातार भूस्खलन की मार जारी है। इस बार नलूणा में बड़ा भूस्खलन जोन उभरा है। यहां सोमवार को सुबह पहाड़ी से हुए भूस्खलन के कारण मार्ग पर भारी मात्रा में मलबा गिर गया, जिससे आवाजाही ठप हो गई। दिनभर मार्ग आवाजाही के लिए बंद रहा। इसके चलते मार्ग पर कई वाहन फंसे हुए हैं। क्षेत्र के दर्जनों गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क कट गया है। बीआरओ की मशीनरी मार्ग को खोलने में जुटी है। गंगोत्री हाईवे पर भूस्खलन और भूधंसाव के चलते लगातार आवागमन बाधित रहने का सिलसिला जारी है। जिला मुख्यालय से करीब 20 किमी दूरी पर स्थित सैंज नलूणा में सोमवार सुबह करीब सात बजे पहाड़ी से बड़ा भूस्खलन हो गया, जिस कारण मार्ग पर भारी मात्रा में मलबा आने से आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई। ग्रामीण आर्य ट्रस्ट के ऊपर से स्याबा पुल तक पुराना पैदल मार्ग से वैकल्पिक आवाजाही कर रहे हैं। मार्ग बंद होने से हर्षिल घाटी और भटवाड़ी समेत क्षेत्र के दर्जनों गांवों का संपर्क कट गया है। इस बार बरसाती सीजन में नलूणा के पास हाईवे कई बार यातायात के लिए बंद रहा है। प्रशासन ने नलूणा भूस्खलन जोन की ड्रोन से वीडियो और फोटोग्राफी करवाकर निगरानी की है। अपर जिलाधिकारी मुक्ता मिश्र ने बताया कि मौके पर पुलिस के 07 जवान, एक होमगार्ड, तीन पीआरडी जवान, बीटीएल टेलीकॉम के 9 कार्मिक, यूपीसीएल के 30, बीआरओ के 10 कार्मिक तैनात है। बीआरओ की एक लोडर, पोकलैंड, डंपर, कैंपर मशीन सड़क मार्ग को खोलने के लिए तैनात है। बीआरओ की ओर से मार्ग को जल्द खोलने के प्रयास जारी है। देर शाम तक मार्ग आवाजाही के लिए खुलने की संभावना है। मलबा ज्यादा आने के कारण मार्ग खोलने में दिक्कतें आ रही है।

पंजाब में आतंकी साजिश नाकाम, 4 हैंड ग्रेनेड और 2 किलो आरडीएक्स समेत आरोपी गिरफ्तार

चंडीगढ़ ,पंजाब पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आतंक और संगठित अपराध के खिलाफ सख्ती दिखाई है। पंजाब पुलिस के डीजीपी ने बताया कि बटाला पुलिस ने एक आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने बटाला के बलपुरा गांव से 4 हैंड ग्रेनेड, 2 किलो आरडीएक्स से बना आईईडी और कम्युनिकेशन उपकरण बरामद किए हैं। शुरुआती जांच में खुलासा हुआ है कि यह खेप यूके में बैठे बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के आतंकी निशान सिंह उर्फ निशान जोडिया के निर्देश पर रखी गई थी। बताया जा रहा है कि वह पाकिस्तान में बैठे आतंकी हरविंदर सिंह रिंदा के कहने पर काम कर रहा था, जिसे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का संरक्षण प्राप्त है। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि दूसरा फरार है। पुलिस उसकी तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है। डीजीपी ने कहा कि जांच जारी है और इस पूरे सीमा पार आतंकी षड्यंत्र का पर्दाफाश किया जाएगा। पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने 'एक्स पोस्ट में बताया, बटाला पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए, बटाला के बलपुरा गांव से 4 हथगोले (एसपीएल एचजीआर–84), 1 आरडीएक्स–आधारित आईईडी (2 किलो), और संचार उपकरण बरामद करके एक आतंकी मॉड्यूल को नाकाम कर दिया। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि यह खेप ब्रिटेन स्थित बीकेआई आतंकवादी निशान सिंह उर्फ निशान जोडिया के निर्देश पर रखी गई थी, जो पाकिस्तान स्थित आतंकवादी हरविंदर सिंह रिंदा के निर्देशों पर काम कर रहा था, रिंदा को पाकिस्तान की आईएसआई का समर्थन प्राप्त है। डीजीपी ने आगे बताया कि एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि दूसरा फरार है, और उसे पकड़ने के प्रयास जारी हैं। पंजाब पुलिस आतंकी मॉड्यूल को बेअसर करने और पंजाब में शांति एवं सद्भाव सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे पहले, डीजीपी ने एक अन्य बड़ी सफलता की जानकारी देते हुए बताया कि बरनाला पुलिस ने देविंदर बंबीहा गैंग के चार सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सतनाम सिंह उर्फ सत्ती, गुरप्रीत उर्फ गुरी, सर्म सिंह उर्फ रिंकू और दीपक सिंह के रूप में हुई है। ये सभी एक बड़ी लूट की साजिश रच रहे थे। पुलिस के अनुसार, एक ऑपरेशन के दौरान जब पुलिस पार्टी ने आरोपियों को रोकने का प्रयास किया तो उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। लेकिन पुलिसकर्मियों ने साहस दिखाते हुए न केवल हमलावरों को काबू किया बल्कि उन्हें वाहन समेत गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से हथियार भी बरामद किए गए हैं।

चार वर्षीय बच्ची की मौत

काशीपुर। एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती चार वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। बच्ची की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा काटा। वहीं सूचना पर पहुंचे तहसीलदार और पुलिस के आश्वासन के बाद लोग शांत हुए। कचनालगाजी निवासी विकास कुमार ने चार वर्षीय बेटी पीहू का स्वास्थ्य खराब होने पर उसको रामनगर रोड स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां इलाज के दौरान उसकी रविवार की देर रात मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि अस्पताल प्रबंधन ने बच्ची के इलाज में लापरवाही बरती है। और अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। वहीं सूचना मिलने पर समाजसेवी गगन कांबोज अस्पताल पहुंच गए और परिजनों के साथ अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग करने लगे। अस्पताल की ओर से इलाज कर रहे डॉक्टर का कहना था कि बच्ची को गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था। चिकित्सकों ने अपनी ओर से हरसंभव प्रयास किया, लेकिन वह उसे बचा नहीं सके। वहीं आक्रोशित लोगों ने प्रशासन को चेतावनी दी यदि पीड़ित को न्याय नहीं मिला तो आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

स्पेसएक्स ने आखिरी मिनट में रद्द की स्टारशिप मेगारॉकेट की लॉन्चिंग

एलन मस्क ने बताई वजह

न्यूयॉर्क , एलन मस्क के नेतृत्व वाली स्पेसएक्स ने सोमवार को ग्राउंड सिस्टम की समस्या के कारण अपने विशाल रॉकेट स्टारशिप की 10वीं परीक्षण उड़ान स्थगित कर दी। एलन मस्क ने खुद इसकी वजह बताई है। एक्स प्लेटफॉर्म के जरिए वजह बताते हुए उन्होंने ये भी बताया कि अगली उड़ान कब भरी जाएगी। टेस्ला के सीईओ ने बताया, जमीनी स्तर पर ऑक्सीजन रिसाव को ठीक करने की जरूरत है। कल एक और प्रक्षेपण करेंगे।

स्पेसएक्स ने रविवार रात, प्रक्षेपण से कुछ मिनट पहले, जमीनी प्रणालियों में तकनीकी समस्या का हवाला देते हुए, अपने स्टारशिप रॉकेट की निर्धारित परीक्षण उड़ान रद्द कर दी। बता दें, स्टारशिप 10 का प्रक्षेपण रविवार को शाम 7:30 बजे (ईडीटी) पर दक्षिण टेक्सास स्थित कंपनी के स्टारबेस स्थल से निर्धारित था। हालांकि, प्रक्षेपण समय से केवल 17 मिनट पहले, कंपनी ने इसे रद्द कर दिया। स्पेसएक्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि ग्राउंड सिस्टम में खराबी के कारण इसकी उड़ान टाल दी गई है। हालांकि बाद में ऑक्सीजन रिसाव की बात मस्क ने बताकर खराबी की वजह बता दी।

उड़ान का टलना मस्क के लिए एक और झटका है; स्टारशिप को हाल के महीनों में बार–बार विफलताओं का सामना करना पड़ा है। अब तक, स्टारशिप ने नौ परीक्षण मिशन पूरे किए हैं, लेकिन पिछले तीन, जो इस साल जनवरी, मार्च और मई में प्रक्षेपित हुए थे, में गंभीर समस्याएं आई थीं। फ्लाइट 7 और फ्लाइट 8, शिप प्रक्षेपण के 10 मिनट से भी कम समय में फट गए, जबकि फ्लाइट 9 पृथ्वी के वायुमंडल में पुनः प्रवेश करते ही नष्ट हो गया था। स्पेस ने एक ब्लॉग पोस्ट में लिखा कि फ्लाइट 10 की योजना पिछली कमियों की जांच और बदलाव करने के बाद बनाई गई थी। यह दुनिया की सबसे ताकतवर रॉकेट स्टारशिप मानी जाती है। इसे 25 अगस्त को बोका चिका से सुबह 5 बजे लॉन्च किया जाना था। अब भारतीय समय के अनुसार मंगलवार सुबह 5 बजे इसे लॉन्च किया जाएगा। पहले ये 29 जून को उड़ान भरने वाला था, लेकिन स्टैटिक फायर टेस्ट के दौरान हुए ब्लास्ट से इसमें बदलाव किया गया। परीक्षण के दौरान रॉकेट के ऊपरी हिस्से में अचानक धमाका शुरू हुआ, जिसके बाद पूरा रॉकेट आग के गोले में तब्दील हो गया था।

थराली की आपदा ने खुशियों के साथ छीने भविष्य के सपने

देहरादून। थराली के आपदा से मिले जख्मों से उभरने में काफी वक्त लगेगा। लोगों को अपनी छत से लेकर हरेक सामान की व्यवस्था करनी है। वह कहां रहेंगे और कैसे फिर से घर तैयार होगा, आपदा प्रभावितों की इस चिंता के बीच उनके बच्चे एक और उलझन में उलझे हुए हैं। आपदा ने खुशियों के साथ उनके भविष्य के सपने भी छीन लिए हैं। मलबे के ढेर में घर के साथ–साथ उनका बस्ता, कॉपी–किताबें और स्कूल ड्रेस तक सब दब गया है। आपदा प्रभावित थराली, सारी, चैपड़ों के ऐसे 35 बच्चे राहत शिविरों में रह रहे हैं, जिनकी पढ़ाई भी मझधार में फंसी हुई है। पेश है क्रांति भट्ट की रिपोर्ट– कृष्णा को राहत शिविर में किताबें आ रही याद कक्षा सात में पढ़ने वाली कृष्णा पंत कुलसारी स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक में बनाए गए राहत शिविर में रह रही है। वह शुक्रवार रात साढ़े 12 बजे आई आपदा को याद करते हुए कहती है कि हमें कुछ भी मौका नहीं मिला कि अपना सामान, कपड़े, किताबें ले आएं। अब सबकुछ मलबे में दब गया है। मलबे में दबे घर में मेरी किताबें भी हैं। पता नहीं अब कैसे पढ़ाई फिर से शुरू होगी, जो नोट्स बनाए थे, उसे कैसे पूरा कर पाऊंगी। कृष्णा कहती हैं कि अभी तो चिंता रहने–खाने की है। घर के सब लोग परेशान हैं। लेकिन कल स्कूल खुलेंगे तो किस तरह से शुरूआत होगी। जो छूट गया है उसकी भरपाई कैसे होगी, इसका कुछ भी पता नहीं है। दीपक की पढ़ाई में आड़े आई आपदा कुलसारी के आपदा राहत शिविर में छठवीं का छात्र दीपक भी रह रहा है। रानी गांव में उसका घर है। आपदा से घर तो सुरक्षित है, लेकिन घर के दोनों तरफ नाला आने से उसे दादी के साथ राहत शिविर में शिफ्ट किया गया है।। दीपक कहता है कि हमारे घर को काफी खतरा है। अभी पढ़ाई पूरी तरह छूट गई है। यहां मेरे पास कापी–किताब कुछ भी नहीं है। वह स्थितियां सामान्य होने का इंतजार कर रहा है, ताकि घर जाकर अपना बस्ता ले आए। दीपक कहता है कि यहां पर पढ़ाई जैसा माहौल तो नहीं है, लेकिन स्कूल खुलते हैं तो फिर इन्हीं हालात में मुझे अपनी पढ़ाई को जारी रखना पड़ेगा। लक्ष्मी को सता रही बोर्ड परीक्षा की चिंता लक्ष्मी 12वीं में पढ़ती हैं, वह बोर्ड परीक्षा की तैयारियों में जुटी थीं, लेकिन आपदा ने उनके घर को ध्वस्त करने के साथ ही बोर्ड परीक्षा की तैयारियों को भी झटका दे दिया है। वह मां–पिता के साथ राहत शिविर में रह रही हैं और उनकी चिंता अपनी बोर्ड परीक्षा को लेकर है। कहती है कि जब घर ही नहीं होगा तो फिर वह कहां रहकर पढ़ेंगी। वह कहती हैं कि राहत शिविर में अभी जो सुविधाएं मिल रह हैं, वह हमारे दिनचर्या को चलाने के लिए अच्छी हैं, लेकिन पढ़ाई का माहौल तो यहां है नहीं। पूरे दिनभर लोगों को आना–जाना लगा रहता है। अब कहीं किराए का घर मिलेगा तो जाकर ही पढ़ाई शुरू हो पाएगी। पवनेश के पास पढ़ने के लिए कुछ भी नहीं बचा राडी गांव निवासी पवनेश भी राहत शिविर में रह रहा है।

पीएम मोदी की डिग्री दिखाने की जरूरत नहीं, दिल्ली हाईकोर्ट ने रद्द किया सीआईसी का 7 साल पुराना आदेश

नई दिल्ली , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्नातक की डिग्री से जुड़े मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को एक बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने केंद्रीय सूचना आयोग के उस सात साल पुराने आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय को पीएम मोदी की 1978 की डिग्री से संबंधित जानकारी सार्वजनिक करने का निर्देश दिया गया था। जस्टिस सचिन दत्ता की अदालत ने दिल्ली विश्वविद्यालय की याचिका को स्वीकार करते हुए यह फैसला सुनाया। डीयू की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी थी कि किसी की निजी जानकारी को सिर्फ जिज्ञासा के आधार तहत नहीं मांगा जा सकता और यह निजता के अधिकार का उल्लंघन है। अदालत ने इस दलील को अहम मानते हुए आदेश को खारिज कर दिया। यह मामला 2016 का है जब नीरज नामक व्यक्ति ने आरटीआई के जरिए पीएम मोदी की डिग्री की जानकारी मांगी थी। इस पर केंद्रीय सूचना आयोग ने 21 दिसंबर 2016 को दिल्ली विश्वविद्यालय को 1978 में बीए पास करने वाले सभी छात्रों के रिकॉर्ड की जांच की अनुमति दे दी थी। दिल्ली विश्वविद्यालय ने इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी,

लैंसडौन में युवती से दुष्कर्म, मुकदमा दर्ज

दिल्ली से घूमने के लिए पहुंचे थे पर्यटक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लैंसडौन में दिल्ली से घूमने पहुंची एक युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। दुष्कर्म का आरोपी फरार चल रहा है। जिसकी पुलिस तलाश में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार बीते शनिवार को दिल्ली निवासी एक व्यक्ति अपनी मंगेतर, मामा और दो मौसरे भाइयों के साथ दिल्ली से लैंसडाउन घूमने आए थे। जिनके द्वारा जयहरीखाल के एक होटल में दो कमरे बुक कराए गए थे। जिनमें से एक रूम में दोनों युवक और उसकी मंगेतर रह रहे थे और दूसरे रूम में बाकी तीनों लोग रह रहे थे। इसी दौरान शाम को सभी रेस्टोरेंट में खाना खाने पहुंचे, जहां से महिला वॉशरूम गई तो इसी बीच पति के मौसेरे भाई हर्षवर्धन ने उसके साथ जबरदस्ती करते हुए दुष्कर्म किया। जिसके बाद वो डर और शर्म के कारण ये बात किसी को न बता पाई। अगले दिन दूसरे होटल में रुकने के दौरान उसने ये पूरी घटना अपने पति को बताई और फिर इसकी सूचना 112 इमरजेंसी नंबर पर दी गई। जिसके बाद पुलिस मामले की जांच में जुटी है। इस मामले में उपनिरीक्षक तुषार बोहरा ने बताया कि बलात्कार से जुड़ा ये मामला राजस्व क्षेत्र का है, लेकिन राजस्व कर्मियों की हड़ताल के कारण पुलिस द्वारा जीरो एफआईआर दर्ज कर ली गई है। जिसकी एक कॉपी वादी और राजस्व विभाग को दे दी गई है।

एलओसी पर फिर पाकिस्तानी साजिश! पुंछ में एक साथ दिखे 6 ड्रोन

सेना का बड़ा तलाशी अभियान शुरु

पुंछ , जम्मू–कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (रुशष्ट) पर एक बार फिर पाकिस्तान की ड्रोन वाली नापाक हरकत देखने को मिली है। रविवार देर रात मेंढर सेक्टर के कई अग्रिम इलाकों में एक साथ कम से कम छह पाकिस्तानी ड्रोन मंडराते देखे गए, जिसके बाद सुरक्षाबलों में हड़कंप मच गया। सेना और पुलिस ने तुरंत इलाके की घेराबंदी कर आज सुबह एक बड़ा तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। सेना के अधिकारियों के अनुसार, यह ड्रोन गतिविधि रात करीब 9:15 बजे मेंढर सेक्टर के बालाकोट, लांगोटे और गुरसाई नाला के ऊपर देखी गई। ये ड्रोन काफी ऊंचाई पर उड़ रहे थे और करीब पांच मिनट तक भारतीय सीमा में रहने के बाद वापस पाकिस्तान की ओर लौट गए। शुरुआती तौर पर आशंका जताई जा रही है कि ये ड्रोन निगरानी के उद्देश्य से भेजे गए थे। ड्रोन के वापस लौटने के तुरंत बाद, सेना और जम्मू–कश्मीर पुलिस की संयुक्त टीमों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी। आज सुबह होते ही उन सभी संभावित जगहों पर सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है, जहां से ड्रोन गुजरे थे। सुरक्षाबल यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि इन ड्रोनों के जरिए सीमा पार से कोई हथियार, गोला–बारूद या नशीले पदार्थ तो नहीं गिराए गए हैं। गौरतलब है कि पिछले कुछ सालों में पाकिस्तान द्वारा हथियार और ड्रग्स की तस्करी के लिए ड्रोन का इस्तेमाल सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। इसी समस्या से निपटने के लिए पुलिस ने पिछले साल ड्रोन की सटीक सूचना देने वाले को तीन लाख रुपये का नकद इनाम देने की घोषणा भी की थी।

ट्रैक्टर–ट्रॉली को कंटेनर ने टक्कर मारी, 8 की मौत

बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में सोमवार तड़के बड़ा हादसा हो गया। यहां श्रद्धालुओं से भरी एक ट्रैक्टर–ट्रॉली को कंटेनर ने टक्कर मार दी, जिससे 8 लोगों की मौत हो गई। हादसा तड़के 2:15 बजे राष्ट्रीय राजमार्ग–34 पर अरनिया थाना क्षेत्र के घटाल गांव के पास हुआ। हादसे में 45 लोग घायल हुए हैं, जबकि 3 की हालत गंभीर है। पुलिस ने कंटेनर को जब्त कर लिया है और चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस ने बताया कि सभी ट्रैक्टर–ट्रॉली पर सवार सभी श्रद्धालु कासंगज के रफायदपुर गांव के रहने वाले थे, जो राजस्थान के हनुमानगढ़ स्थित गोगामेड़ी मंदिर में एक धार्मिक कार्यक्रम में जा रहे थे। दसे के समय वाहन पर 60 श्रद्धालु सवार थे। जैसे ट्रॉल घटाल गांव के पास पहुंची, पीछे से आ रहे तेज रफ्तार कंटेनर ने उसे टक्कर मार दी। मृतकों में 2 बच्चे भी शामिल हैं।

पंजाब और हिमाचल में बारिश का कहर, पठानकोट जाने वाला रास्ता डाइवर्ट

चंडीगढ़ , पंजाब, हिमाचल समेत कई राज्यों में बारिश का कहर जारी है और इस बारिश के कारण जनजीवन अस्तव्यस्त हो रहा है। पठानकोट में जालंधर–जम्मू नेशनल हाईवे स्थित चक्की खड्ड पर पुराना बंद पड़ा पुल पानी की चपेट में आकर ध्वस्त हो गया है। वहीं रणजीत सागर डैम के फ्लड गेट खोल दिए गए हैं। जम्मू–कश्मीर को रेलमार्ग से पूरे देश से जोड़ने वाला चक्की दरिया पर बना रेलवे पुल अब खतरे में दिखाई दे रहा है। पठानकोट आने–जाने वाले दोनों रास्ते बंद हो गए हैं। नेशनल हाईवे और चक्की दरिया पुल बंद से लोगों में हाहाकार मच गई है। ट्रैफिक को वाया नरोट जैमल सिंह डायवर्ट कर दिया गया है। वहीं रणजीत सागर डैम के फ्लड गेट खोल दिए गए हैं। होशियारपुर के पौंग बांध और रूपनगर के नंगल डैम से पानी छोड़ने का क्रम रविवार को भी जारी रहा। हिमाचल प्रदेश में पूरी रात भारी बारिश हुई। इसके बाद 8 जिलों ऊना, कांगड़ा, चंबा, हमीरपुर, सोलन, कुल्लू, बिलासपुर, लाहौल स्पीति और मंडी में स्कूल व कॉलेजों में आज (25 अगस्त) छुट्टी कर दी गई है। वहीं लाहौल स्पीति के शिंकुला दर्रा में बीती रात में सीजन की पहली बर्फबारी हुई है।

सम्पादकीय

नशे से मुक्ति की मुहिम

देवभूमि में नशे की कड़ी को तोड़ने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ड्रग्स फ्री उत्तराखंड अभियान का संकल्प लिया है लेकिन तमाम कोशिशें के बावजूद प्रदेश में नशे की जड़ें सूखने का नाम नहीं ले रही है। स्थिति यह है की कई बड़े मामले सामने आ रहे हैं लेकिन जिन स्थानों से नशे की यह बड़ी खेप उत्तराखंड तक पहुंच रही है उन पर कार्रवाई करने का बड़ा मिशन अभी तक नजर नहीं आया है। उत्तराखंड में नशे के कारोबार को सामान्यत: उत्तर प्रदेश के बरेली से जोड़कर जांच की औपचारिकताएं पूरी कर ली जाती है लेकिन बरेली के किन स्थानों से इस नशे की आपूर्ति हो रही है इसकी तह तक जाने के लिए कोई संयुक्त अभियान उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश पुलिस की ओर से अभी तक नजर नहीं आया है। आज सिर्फ बरेली ही नहीं बल्कि देश के दूसरे हिस्सों से भी नशे की बड़ी खेप उत्तराखंड में सप्लाई की जा रही है। उत्तराखंड पुलिस अपने पूरे नेटवर्क के साथ ऐसी बड़ी डील पर नजर रखती है लेकिन नशे का नेटवर्क इतना गहरा और मजबूत है कि इस पर पूरी तरह से रोकथाम लगा पाना ठीक उसी प्रकार है जैसे भूसे के देर में सुई को तलाशना। नशा तस्करों ने बड़े कमीशन के लालच में युवाओं को इस धंधे में उतारा है जो अपने खर्चे पूरे करने के लिए नशे के काले कारोबार को अपने सुनहरे भविष्य का रास्ता मान बैठे हैं। सबसे बड़ी दिक्कत उन युवाओं को लेकर है जो नशे का शिकार बन रहे हैं। उत्तराखंड के तमाम शैक्षिक संस्थानों में सबसे अधिक खपत नशीले पदार्थों की की जा रही है और ड्रग्स पेडलर भी युवाओं की इस बढ़ती हुई लत का लाभ उठाते हुए उन्हें अपना सॉफ्ट टारगेट बना रहे हैं। नशे का यह काला कारोबार तब तक थमने वाला नहीं है जब तक नशे के बड़े सरगनाओ के खिलाफ संयुक्त अभियान विभिन्न राज्यों की पुलिस द्वारा नहीं चलाया जाता है। नशे की नई–नई विधाओं ने युवाओं को मानसिक और शारीरिक रोगी बना दिया है, और उनका यही नशे का रोग अपराधों का कारण भी बन रहा है। पुलिस के आंकड़े भी यह दर्शाते हैं कि आज का युवा जो पुलिस द्वारा विभिन्न मामलों में पकड़े जाते हैं वह अपने नशे की लत पूरी करने के लिए न केवल अपराधों को अपना रहे हैं बल्कि नशे का कारोबार भी करने लगे हैं। नशे से मुक्ति के लिए पुलिस और विभिन्न संगठन द्वारा जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाते हैं लेकिन ऐसे कार्यक्रम तब तक सार्थक नहीं माने जाएंगे जब तक एक बड़ा अभियान बड़े नशा तस्करों के खिलाफ युद्ध स्तर पर ना छोड़ा जाए। यदि सुरक्षा एजेंसियां नशे का गढ़ जानती है तो उन्हें यह भी कार्रवाई करने की शक्तियां दी गई है जो इस समाज को नशे के गढ़ से मुक्ति दिला सके। यह बात तो तय है कि नशे के इस काले कारोबार को रोकना एक अकेले विभाग के बस की बात नहीं है और यह एक ऐसा अंधा कुआं है जिसका कोई अंत नहीं है। अपनी इच्छा शक्ति और कड़े कानून के तहत ही इस पर कुछ हद तक रोक लगाई जा सकती है, लेकिन जिस प्रकार से बड़ी संख्या में युवा नशे की गिरफ्त में जकड़ रहे हैं यह वाकई एक बड़ी चिंता का कारण है।

सिंधु की पुकार: संप्रभुता की वापसी और गौरव की बहाली

देश अरसे से स्वार्थ को राष्ट्रीय हित से ऊपर रखने की कांग्रेस की पुरानी आदत का बोझ ढोता चला आ रहा है। विभाजन की दुखद विभीषिका से लेकर नेहरूवादी कूटनीति की महंगी पड़ने वाली विफलताओं तक, इतिहास गवाह है कि कैसे इन फैसलों ने भारत की मूल अवधारणा को ही कमजोर कर दिया। सिंधु जल संधि (1960) पर बारीकी से गौर करने पर, जनता और देश के विकास की कीमत पर तुष्टिकरण व अति–उदारता की एक ऐसी कहानी सामने आती है, जिसने राष्ट्रीय विकास की संभावनाओं को निरंतर बाधित किया। यह घोर विडंबनापूर्ण है कि भारत के विकास से जुड़े हितों का त्याग एक ऐसे राजनीतिक आकलन से प्रेरित थे जिसने अपने नागरिकों के कल्याण से ऊपर पाकिस्तान के हितों को तरजीह दी। मूल रूप से, विश्व बैंक की मध्यस्थता से हुई सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी), सिंधु नदी प्रणाली के जल का आवंटन पाकिस्तान के पक्ष में (80:20) करती है। सिंधु नदी प्रणाली का उद्गम मुख्य रूप से भारत में है। इस संधि के तहत भारत को पश्चिमी में बहने वाली सिंधु, चिनाब और झेलम जैसी महत्वपूर्ण नदियों पर नियंत्रण छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ा, जिससे वैसे व्यापक जल संसाधन छिन गए जो पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात के विशाल शुष्क एवं सूखाग्रस्त इलाकों का कायाकल्प कर सकते थे।

अर्जुन राम मेघवाल

मानसून शब्द पूरे भारत में खुशी और गर्व का संचार करता है। यह नवाचार, नवीनीकरण और राष्ट्र के आर्थिक इंजन को तत्काल गति प्रदान करने का प्रतीक है। भारत की भौगोलिक स्थिति, प्रचुर वर्षा के साथ मिलकर, इसकी नदियों को पुनर्जीवित करती है और देशभर में जल संसाधनों का विस्तार करती है। यह प्रगति के मौसम का प्रतीक है और स्वतंत्रता दिवस समारोहों के साथ मिला दिए जाने पर देशभक्ति की एक अनूठी भावना का संचार करता है। लाल किले की प्राचीर से, प्रधानमंत्री के संबोधन ने एक बार फिर आकांक्षी नागरिकों के लिए एक ऐसा खाका पेश किया जो एक विकसित भारत के निर्माण के व्यापक लक्ष्य को साकार करने का मार्ग प्रशस्त करता है।

संसद के इस विशेष मानसून सत्र की शुरुआत में, प्रधानमंत्री ने इसे भारत का गौरवशाली सत्र बताया था। भारतीय सैनिकों का शौर्य, ऑपरेशन सिंदूर की सफलता, पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के कारखानों पर निर्णायक प्रहार और सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) का स्थगन–ये सब भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति के सबूत हैं और राष्ट्रीय मानस पर एक अमिट छाप छोड़ते हैं।

फिर भी, सभी मुद्दों पर खुलकर चर्चा के लिए सरकार के राजी होने के बावजूद, विपक्ष ने बाधा डालने का रास्ता चुना और व्यापक जनहित की कीमत पर विचार–विमर्श को राजनीतिक नौटंकी में सीमित कर दिया।

देश अरसे से स्वार्थ को राष्ट्रीय हित से ऊपर रखने की कांग्रेस की पुरानी आदत का बोझ ढोता चला आ रहा है। विभाजन की दुखद विभीषिका से लेकर नेहरूवादी कूटनीति की महंगी पड़ने वाली विफलताओं तक, इतिहास गवाह है कि कैसे इन फैसलों ने भारत की मूल अवधारणा को ही कमजोर कर दिया। सिंधु जल संधि (1960) पर बारीकी से गौर करने पर, जनता और देश के विकास की कीमत पर तुष्टिकरण व अति–उदारता की एक ऐसी कहानी सामने आती है, जिसने राष्ट्रीय विकास की संभावनाओं को निरंतर बाधित किया। यह घोर विडंबनापूर्ण है कि भारत के विकास से जुड़े हितों का त्याग एक ऐसे राजनीतिक आकलन से प्रेरित थे जिसने अपने नागरिकों के कल्याण से ऊपर पाकिस्तान के हितों को तरजीह दी।

मूल रूप से, विश्व बैंक की मध्यस्थता से हुई सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी), सिंधु नदी प्रणाली के जल का आवंटन पाकिस्तान के पक्ष में (80:20) करती है। सिंधु नदी प्रणाली का उद्गम मुख्य रूप से भारत में है। इस संधि के तहत भारत को पश्चिमी में बहने वाली सिंधु, चिनाब और झेलम जैसी महत्वपूर्ण नदियों पर नियंत्रण छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ा, जिससे वैसे व्यापक जल संसाधन छिन गए जो पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात के विशाल शुष्क एवं सूखाग्रस्त इलाकों का कायाकल्प कर सकते थे। यदि राष्ट्रीय हितों की रक्षा की जाती, तो सुव्यवस्थित जल अवसंरचना इस इलाके के संपूर्ण विकास की तस्वीर को बेहतर बना सकती थी।

हालांकि, इस महत्वपूर्ण त्याग से व्यापक कूटनीतिक लाभ मिलने की उम्मीदें भ्रामक साबित हुईं। इस संधि के प्रक्रियात्मक संचालन ने चिंताओं को और बढ़ा दिया। इस संधि पर 19 सितंबर 1960 को हस्ताक्षर किए गए थे। लेकिन इसे दो महीने बाद, नवंबर में, संसद के समक्ष रखा गया और वह भी मात्र दो घंटे की औपचारिक चर्चा के लिए। जैसे ही इस संधि से जुड़े तथ्य सामने आए, इसके विभिन्न पहलुओं की पड़ताल के बाद प्रमुख समाचार पत्रों में छपी प्रतिकूल टिप्पणियां सुर्खियों में छायी रहीं। इतने महत्वपूर्ण समझौते के प्रति संसदीय स्तर पर बरते गए इस जल्दबाजी भरे व्यवहार ने लोकतांत्रिक निगरानी, पारदर्शिता और तत्कालीन नेतृत्व की दुर्भावनापूर्ण मंशा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए।

इस सीमित संसदीय पड़ताल के बावजूद, सिंधु जल संधि को भारतीय संसद में भारी विरोध का सामना करना पड़ा। पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी, जो उस समय एक युवा सांसद थे, ने चेताते हुए कहा था कि प्रधानमंत्री नेहरू का यह तर्क बुनियादी रूप से त्रुटिपूर्ण है कि पाकिस्तान की अनुचित मांगों के आगे झुकने से मित्रता और सद्भावना स्थापित होगी।

संसद में 30 नवंबर 1960 को हुई बहस से पता चलता है कि सभी दलों ने इस संधि की आलोचना की थी। अधिकांश सदस्यों ने सरकार की आलोचना की थी और उस पर पाकिस्तान के सामने झुकने तथा भारतीय हितों को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया था।

राजस्थान से कांग्रेस सांसद श्री हरीश चंद्र माथुर, अशोक मेहता, ए.सी. गुहा, कम्युनिस्ट पार्टी के सांसद केटीके तंगमणि, सरदार इकबाल सिंह, बृजराज सिंह ने इस जल कूटनीति को लेकर स्पष्ट रूप से चिंताएं जाहिर की थी और इसके विफल होने से जुड़े नतीजों के बारे में अंदेशा जताया था। कुल मिलाकर, इस संधि को एकतरफा, न कि लेन–देन पर आधारित कहा जा सकता है।

इस संदर्भ में, यह विडंबना ही थी कि लोकसभा में अपने उत्तर के दौरान प्रधानमंत्री नेहरू ने माननीय सांसदों की बुद्धिमत्ता पर सवाल उठाए और उन्हें कमतर भी आंका। उन्होंने अपने जवाब में कहा कि संसदों द्वारा की गई आलोचना तथ्य और निहित विचारों से अनजान रहने पर आधारित है। उन्होंने (नेहरू) आगे कहा, मुझे इस बात का दुख है कि इतने महत्वपूर्ण मामले को... एक ऐसा मामला जो न केवल वर्तमान बल्कि भविष्य से भी जुड़ा है... इतने हल्के में और इतनी लापरवाही एवं संकीर्ण सोच के साथ लिया जा रहा है।

इस संधि ने भारत के हितों को कुंद कर दिया और यह पाकिस्तान के लिए एक निर्णायक उपलब्धि साबित हुआ। अयूब खान ने एक सार्वजनिक प्रसारण में स्वीकार किया था कि इस संधि की वैधता और गुण–दोष पाकिस्तान के विरुद्ध थे, लेकिन इस मामले में नेहरू की कूटनीतिक विफलता ने पाकिस्तान को बढ़त दिला दी। 4 सितंबर 1960 को रावलपिंडी में अपने प्रसारण में, अयूब खान ने कहा था, अब जो समाधान हमें मिला है, वह आदर्श नहीं है... लेकिन यह सबसे अच्छा समाधान है जो हमें इन परिस्थितियों में मिल सकता था, इनमें से कई बिंदु, चाहे उनके गुण–दोष और वैधता कुछ भी हों, हमारे खिलाफ हैं। ये खुलासे आज भी राष्ट्रीय हित को गौण रखने के पीछे के मकसद पर सवाल खड़े करते हैं।

जैसा कि निरंजन डी. गुलाटी ने अपनी किताब इंडस वाटर ट्रीटीः एन एक्सरसाइज इन इंटरनेशनल मीडिएशन में लिखा है, 28 फरवरी 1961 को खुद प्रधानमंत्री नेहरू ने इस निराशा को स्वीकार करते हुए कहा थाः मुझे उम्मीद थी कि यह समझौता अन्य समस्याओं के समाधान का रास्ता खोलेगा, लेकिन हम वहीं खड़े हैं जहां पहले थे। इस संधि के बाद के घटनाक्रम में आया तीखा अंतर इस समझौते की असमानता को और भी गहराई से रेखांकित करता है। नेहरू की ढिलाई और राष्ट्रीय हित को दरकिनार करने की प्रवृत्ति समय के साथ भारी पड़ती गई। फरवरी 1962 में, 'वाशिंगटन पोस्ट्स को दिए एक साक्षात्कार में, प्रधानमंत्री नेहरू ने सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर को आगे की दिशा में एक बड़ा कदम और वास्तव में यह समझौता (कश्मीर के) क्षेत्रीय मुद्दों से कहीं अधिक महत्वपूर्ण... बताया।

स्पष्ट चेतावनियों के बावजूद, शांति और अंतरराष्ट्रीय स्वीकृति की चाहत में कांग्रेस नेतृत्व ने भारत की दीर्घकालिक जल सुरक्षा एवं समृद्धि के बजाय कूटनीतिक सुविधावाद को चुना। तुष्टिकरण की यह नीति कई मोर्चों पर राष्ट्रीय प्रगति के लिए हानिकारक साबित हुई। इस संधि से अपेक्षित मनोवैज्ञानिक व भावनात्मक लाभ कभी भी साकार नहीं हुए। इसके उलट, यह युद्धों और निरंतर सीमा–पार तनावों के रूप में दुर्भाग्य लेकर आई। जल–बंटवारे की इस सख्त व्यवस्था ने सूखे से लड़ने, सिंचाई व्यवस्था का विस्तार करने और संवेदनशील इलाकों में कृषि को मजबूत करने हेतु अपने प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करने की भारत की क्षमता को सीमित कर दिया। सत्ता–लोलुप शासकों ने आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के प्रति कोई जिम्मेदारी महसूस नहीं की, जिससे भारत कमजोर हो गया। वास्तव में, यह संधि भारत के लिए जल कूटनीति की विफलता और पाकिस्तान के लिए एक राजनीतिक विजय थी।

अब, मोदी सरकार इस ऐतिहासिक भूल को सुधारने की दिशा में एक और निर्णायक एवं साहसिक कदम उठा रही है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने संप्रभु अधिकारों का प्रयोग करते हुए, सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) को तब तक के लिए स्थगित कर दिया है जब तक कि पाकिस्तान विश्वसनीय और अंतिम रूप से सीमा पार आतंकवाद को अपना समर्थन देना छोड़ नहीं देता। प्रधानमंत्री मोदी जी का स्पष्ट आह्वान राष्ट्रीय हितों को कमजोर करने वालों के लिए एक कड़ी चेतावनी हैः आतंकवाद और बातचीत साथ–साथ नहीं चल सकते; पानी और खून साथ–साथ नहीं बह सकते। यह कदम पिछली नीतियों से अलग हटकर एक साहसिक और ऐतिहासिक बदलाव का प्रतीक है। यह केवल एक कूटनीतिक पुनर्संतुलन भर नहीं है, बल्कि अपने संसाधनों और किसानों के हितों एवं संबंधित हितधारकों की आजीविका के अवसरों की रक्षा करने के भारत के संप्रभु अधिकार का एक दृढ़ रणनीतिक दावा है – जो पाकिस्तान की ओर से आने वाले लगातार सीमा पार खतरों के सामने राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत को सर्वोपरि रखता है।

सिंधु जल संधि का स्थगन कूटनीति से कहीं आगे जाता है–यह विकासशील भारतञ्च2047 के लक्ष्य को साकार करने के भारत के संकल्प को दर्शाता है। अपने जल संसाधनों पर नियंत्रण फिर से हासिल करके, भारत जलवायु के अनुकूल बुनियादी ढांचे का निर्माण कर सकता है, सिंचाई व्यवस्था को मजबूत कर सकता है और औद्योगिक विकास को बढ़ावा दे सकता है–जोकि एक विकसित राष्ट्र बनने की कुंजी है। यह निर्णय पुराने समझौतों द्वारा थोपी गई सहमतियों का अंत करता है और जल संप्रभुता को प्रगति की बुनियाद के रूप में स्थापित करता है। यह एक ऐसा साहसिक कदम है, जो आत्मनिर्भरता, स्थिरता और समावेशी विकास के मिशन के साथ गहराई से जुड़ा है।

ओवर टूरिज्म से कोई भी खुश नहीं

वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

निःस्संदेह टूरिज्म हो या ओवर टूरिज्म इससे देशों, राज्यों, नगरों या गांवों की आर्थिकी बढ़ने की संभावनाएं रहती ही है। किन्तु इसके बावजूद पूरे विश्व में सभी देश, सभी शहर या स्थानीय वासी ओवरटूरिज्म से खुश नहीं हैं। विशेषकर यूरोप में लोकप्रिय पर्यटक महानगरों नगरों में अतिशय पर्यटन का विरोध हो रहा है। भारतीय पर्यटक नगरी में पर्यटकों की भारी भीड़ से, उनके व्यवहार से, जामों से और उनके कारण बढ़ते उपभोक्ता सामग्रियों व कूड़ा कचरे के अंबार से देर–सबेर भारत भी ओवरटूरिज्म के विरोध से अछूता नहीं रहेगा। यूरोप में भी ओवर टूरिज्म का विरोध करने वाले प्रदर्शनकारियों का कहना है कि इससे घरों के किराये बढ़ गए हैं, हमारी गलियां भीड़ भरी हो गई हैं और स्थानीय संस्कृति का क्षरण हो रहा है। यही सब भारत में भी अत्याधिक पर्यटनग्रस्त प्रमुख पर्यटक नगरियों के नागरिक भी अनुभव कर रहे हैं। भारत में ओवर टूरिज्म की कीमत स्थानीय लोग जाम में फंस हर काम में अतिरिक्त समय लगा दे रहे हैं। आने–जाने में देरी से जरूरी काम भी छूट जाते हैं या उन्हें टालना पड़ता है। इससे आर्थिक हानि भी हो जाती है। तनाव अलग से पैदा होता है। ये वह लागत है जो पर्यटन से बढ़े राजस्व का ढिंढोरा पिटते सरकारों या हितधारकों के आकलन में नहीं होता है। किन्तु जिसे हर अपने गांव–शहर के ओवर टूरिज्म से पिसा स्थानीय नागरिक चुका रहा है। हर काम के लिए घर से पहले निकलने और देरी से घर पहुंचने की मजबूरी रहती है। इसमें घर के कई ओवर टूरिज्म की मुख्य पहचान हम भारी जाम से करते हैं। देहरादून मसूरी जाम में इसी माह एक पर्यटक की मौत हुई, परन्तु ऐसी घटनाएं अन्यत्र से भी सुनने को आने लगी हैं। सरकारी तौर पर ये जानकारी शिमला में जून 20 और जून 23 के बीच कुल तीन दिनों में ही साठ हजार पर्यटक वाहन नगर में प्रवेश किए थे। ये नित्य के स्थानीय परिवहन के अतिरिक्त है। इस जून 2025 में जिले के पुलिस अधिकारी के अनुसार देहरादून से मसूरी जाने को सामान्य दिनों में प्रति दिन 4 से आठ हजार वाहन होते हैं। इन दिनों वीकेंड में पंद्रह हजार वाहन आ रहे हैं। हालात ऐसे हो जाते हैं कि स्थानीय जन अपने ही शहर में ही कैद हो जाता है। यूरोप में जगह–जगह स्थानीय लोग 'टूरिस्ट गो होमइ के नारे लग रहे हैं। ओवर टूरिज्म के खिलाफ लोग अभियान चला रहे हैं। इटल , स्पेन और पुर्तगाल में तो बहुत जोर पकड़ रहा है। 'पर्यटकों घर जाओइ, 'एक पर्यटक का बढ़ना एक स्थानीय निवासी का कम होनाइ जैसे पोस्टर व नारे लग रहे हैं। वे कहते हैं उनका जीना दूभर हो गया है। किराये के घरों का दाम बहुत बढ़ गया है। बड़े–बड़े होटलों के खोलने व उनमें विस्तार होने का विरोध हो रहा है। इस 15 जून को बड़े प्रदर्शन हुए। बार्सीलोना की तो खबर थी कि कि प्रदर्शनकारियों ने वाटर गनों को लेकर पर्यटकों के पसंदीदा स्थलों में पर्यटकों को निशाना बनाया। बार्सीलोना प्रदर्शनों का प्रमुख केंद्र बन गया है। उसकी जनसंख्या सोलह लाख है, जबकि गत वर्ष वहां 26 लाख टूरिस्ट आए। स्थानीय लोग कह रहे हैं, देखिए हम जहां देख रहे हैं पर्यटक ही पर्यटक दिख रहे हैं। आपका सामना उन लोगों से होता है जिनको आप नहीं जानते और जो आपको नहीं जानते हैं। प्रदर्शनकारियों के अनुसार यह असहाय होने का भाव भी पैदा कर देता है। पिछले साल यूरोप में 70 लाख पर्यटक आए थे। ग्रीस में उसकी संख्या के चार गुणा पर्यटक आए थे। लगभग सभी पर्यटक शहरों में जहां विरोध हो रहा है वहां स्थानीय जनसंख्या के सात आठ गुणा तक पर्यटक पहुंच रहे हैं। भारत में भी यात्रियों के पारम्परिक मूल्यों की दृष्टि से अनुचित आचरण व्यवहार से भी परेशानी पैदा हो रही है। शायद ही कोई चाहेगा कि टूरिस्ट या जनता उसके क्षेत्र में अशांति पैदा करे।

वायनाड के एक बांध के समीप के एक गांव के किसान बांध पहुंच रील बनाने वाले पर्यटकों की उद्दंड भीड़ से परेशान हो प्रशासन से इस पर रोक लगाने की मांग की है। वे कहते हैं इससे दुर्घटनाएं बढ़ी हैं। खेतों को नुकसान हुआ है, निजता का भी हनन हुआ है। पर्यटकों के मनमाने ढंग से जहां–तहां रुकने से लगभग सभी पर्यटन मागरे पर दुर्घटनाओं के जोखिम बढ़े हैं। सेल्फी के मोहपाश में फंसकर कई पर्यटकों ने पहाड़ियों में, नदियों में और झीलों में अपना अमूल्य जीवन गंवाया है। सड़क मागरे का जाम तो शुरुआत भर है।

अनुराग कश्यप की निशांची का पहला गाना डियर कंट्री हुआ रिलीज

भारतीय सिनेमा के मशहूर निर्देशक और अभिनेता अनुराग कश्यप फिल्म निशांची लेकर आ रहे हैं, जिसका दर्शक बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म इसलिए भी खास है, क्योंकि इसके जरिए शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे के पोते ऐश्वर्य ठाकरे अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। अब निर्माताओं ने निशांची का पहला गाना डियर कंट्री जारी कर दिया है, जिसे विजय लाल यादव ने अपनी आवाज दी है।

अनुराग ने लिखा, सुनो, देखो, बजाओ, और दिल से बोलो... हमें अपने प्यारे देश के लिए हमेशा मरने के लिए तैयार रहना चाहिए। निशांची 19 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म में वेदिका पिंटो, मोनिका पनवार, मोहम्मद जीशान अय्यूब, पीयूष मिश्रा, मनन भारद्वाज, वरुण ग्रोवर और कुमुद मिश्रा जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। फिल्म का नया पोस्टर भी सामने आ गया है, जिसमें ऐश्वर्य और वेदिका समेत तमाम सितारों की झलक दिख रही है। डियर कंट्री गाना बनाने के अपने अनुभव को बताते हुए, ध्रुव घाणेकर ने कहा, हमारी सोच आसान था, जैसे ही आप इसे सुनो, गाँव की बात समझ आ जाए।

बागी 4 का गाना बहली सोहनी हुआ रिलीज

बागी 4 के निर्माताओं ने फिल्म का एक और धमाकेदार गाना बहली सोहनी रिलीज कर फैंस को खुश कर दिया है। इस गाने में टाइगर श्रॉफ के हॉट मूव्ज और हरनाज के सिजलिंग डांस ने फैंस का दिल जीत लिया है।

टाइगर श्रॉफ ने अपनी आगामी एक्शन फिल्म बागी 4 के लेटेस्ट गाने बहली सोहनी को इंस्टाग्राम पर शेयर किया और कैप्शन में लिखा, जब धड़कन कम हो जाती है... और वाइब हिट हो जाता है.. यह अब केवल संगीत नहीं है – यह बहली सोहनी है। सॉन्ग आउट हो गया है। 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। टाइगर और हरनाज के फैंस को उनका यह गाना शानदार लग रहा है। दिशा पाटनी की बहन खुशबू पाटनी ने लाल दिल वाले इमोजी बनाए हैं। एक फैन ने लिखा, शानदार, एक और फैन ने लिखा, जबरदस्त डांस, तो वहीं कई फैंस ने लाल दिल वाले और फायर इमोजी बनाए हैं। टाइगर श्रॉफ और हरनाज संधू अभिनीत बागी 4 का बहली सोहनी अभी कुछ ही देर पहले रिलीज हुआ है। इस गाने में हरनाज और टाइगर के जबरदस्त हुक स्टेप्स देखने को मिले। इससे पहले फिल्म का गाना गुजारा रिलीज हुआ था। गुजारा में हरनाज और टाइगर का रोमांटिक अंदाज देखने को मिला था।

टी–20 अंतरराष्ट्रीय: भारतीय सरजमीं पर बने सबसे छोटे स्कोर, कीवी टीम 66 रन पर हुई ऑलआउट

नईदिल्ली,टी–20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जहां हर कोई चौके–छक्कों की बरसात देखने का आदी है, वहीं कई बार भारतीय सरजमीं पर बल्लेबाज पूरी तरह से लड़खड़ा गएं। कुछ मुकाबलों में विरोधी गेंदबाजों ने ऐसा कहर बरपाया कि पूरी टीम मामूली स्कोर पर सिमट गई। नतीजा यह हुआ कि टी–20 इतिहास में भारतीय धरती पर सबसे छोटे स्कोर दर्ज हो गए। ऐसे में आइए भारत में बने सबसे छोटे स्कोर पर एक नजर डाल लेते हैं।

इस सूची में पहले स्थान पर न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम है। साल 2023 में भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ अहमदाबाद में कीवी टीम सिर्फ 66 रनों पर ऑलआउट हो गई थी। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 234/4 का पहाड़ जैसा स्कोर बना दिया था। जवाब में 12.1 ओवर में ही पूरी कीवी टीम पवेलियन में थी। हार्दिक पांड्या ने 16 रन देकर 4 विकेट लिए थे। अर्शदीप सिंह, उमर मलिक और शिवम मावी ने 2–2 विकेट झटके थे।

दूसरे स्थान पर बांग्लादेश क्रिकेट टीम है। साल 2016 के टी–20 विश्व कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ कोलकाता में वह सिर्फ 70 रन पर ऑलआउट हो गई थी। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 145/8 का स्कोर बनाया था। जवाब में बांग्लादेश की पूरी टीम 15.4 ओवर में 70 रन बनाकर पवेलियन में थी। कीवी टीम के लिए ग्रांट इलियट और ईश सोढ़ी ने 3–3 विकेट चटकाए थे। न्यूजीलैंड को उस मुकाबले में 75 रनों से जीत मिली थी।

भारतीय टीम इस सूची में तीसरे स्थान पर है। साल 2016 में नागपुर में खेले गए टी–20 मुकाबले में न्यूजीलैंड की टीम ने उसे सिर्फ 79 रन पर ऑलआउट कर दिया था। कीवी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 126/7 का स्कोर बनाया था। जवाब में भारत की पूरी टीम 18.1 ओवर में ही पवेलियन में थी। मिचेल सेंटनर ने 11 रन देकर 4 विकेट चटकाए थे। सोढ़ी ने 4 ओवर में 18 रन खर्च करते हुए 3 विकेट लिए।

कुली की कमाई पर लगा ग्रहण, अब तक का सबसे कम कलेक्शन

रजनीकांत स्टारर तमिल एक्शन थ्रिलर 'कुली को 14 अगस्त को रिलीज़ होने पर दर्शकों और क्रिटिक्स से मिला–जुला रिस्पॉन्स मिला था. हालांकि इसने यूं तो बॉक्स ऑफिस पर शानदार तरीके से शुरुआत की थी लेकिन फिर ओपनिंग वीकेंड पर ही इसकी कमाई में गिरावट आने लगी थी. फिर वीकडेज में तो इसकी कमाई उम्मीद से कहीं ज़्यादा घटती चली गई, जिसके चलते इस फिल्म का पहले हफ़्ते का कलेक्शन 2.0 और जेलर से भी कम रहा. चलिए यहां जानते हैं इसने रिलीज के 9वें दिन यानी दूसरे शुक्रवार को कितनी कमाई की है?

भारी प्री–सेल्स के दम पर, कॉलीवुड की इस एक्शन थ्रिलर फिल्म ने 65 करोड़ की धमाकेदार कमाई के साथ अपनी शुरुआत की थी जो रजनीकांत के लिए अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग रही. फिर दूसरे दिन इसकी कमाई घट गई और इसने 54.75 करोड़, तीसरे दिन 39.5 करोड़ और चौथे दिन 35.25 करोड़ की कमाई की. गिरावट के बावजूद, फिल्म ने 4 दिनों के एक्सटेंडेड ओपनिंग वीकेंड में 194.5 करोड़ की दमदार कमाई की थी.

शाकिब अल हसन ने टी–20 क्रिकेट में पूरे किए 500 विकेट, ये बड़े रिकॉर्ड्स बनाए

नईदिल्ली, बांग्लादेश क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर खिलाड़ी शाकिब अल हसन ने एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। उन्होंने टी–20 क्रिकेट में 500 विकेट पूरे कर लिए हैं। शाकिब ने कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2025 में एंटिगुआ एंड बारबुडा फाल्कन्स के लिए खेलते हुए ये उपलब्धि हासिल की। क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में 500 विकेट लेने वाले शाकिब 5वें गेंदबाज बने हैं। ऐसे में आइए उनके आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं। टी–20 में शाकिब से ज्यादा विकेट सिर्फ इमरान ताहिर (554), सुनील नरेन (590), ड्वेन ब्रावो (631) और राशिद खान (660) ने लिए हैं। हालांकि, यह दिग्गज दुनिया के एकमात्र ऐसा खिलाड़ी है, जिसने 500 विकेट के साथ–साथ टी–20 क्रिकेट में 7,000 से ज्यादा रन भी बनाए हैं। दूसरे स्थान पर ब्रावो हैं, जिन्होंने 6,970 रन के साथ 631 विकेट अपने नाम किए हैं।

एशिया कप 2025 से पहले संजू सैमसन की धमाकेदार पारी, 42 गेंद में जड़ा शतक

नईदिल्ली, भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज संजू सैमसन ने केरल क्रिकेट लीग में धमाकेदार शतक जड़कर ये संदेश दिया है कि वह एशिया कप 2025 के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। कोच्चि ब्लू टाइगर्स के लिए खेलते हुए उन्होंने एरीज कोल्लम सेलर्स के खिलाफ सिर्फ 51 गेंदों में 121 रन जड़े, जिसमें 14 चौके और 7 छक्के शामिल थे। उनकी इस पारी की बदौलत कोच्चि ने आखिरी गेंद पर 237 रन का विशाल लक्ष्य हासिल कर लिया।

एरीज कोल्लम सेलर्स के खिलाफ शतक सैमसन की जोरदार वापसी साबित हुआ। पिछले मैच में नंबर–6 पर बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने कोच्चि ब्लू टाइगर्स के लिए अल्लेप्पी रिपल्स के खिलाफ 22 गेंदों पर 13 रन बनाए थे, जिससे उनकी आलोचना हुई थी। इस बार वह सलामी बल्लेबाज के रूप में उतरे थे। सैमसन ने अपने आक्रामक अंदाज से सबको चौंका दिया और शानदार शतक ठोककर टीम को जीत दिलाई। उनकी यह पारी आने वाले मुकाबलों के लिए बड़ा संकेत है। एशिया कप 2025 से ठीक पहले सैमसन की धमाकेदार पारी उनके लिए बड़ा आत्मविश्वास लेकर आई है। 30 वर्षीय सैमसन को भारत की 15 सदस्यीय टीम में जगह तो मिली है, लेकिन उनकी भूमिका को लेकर संशय बरकरार है। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर पहले ही संकेत दे चुके हैं कि शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा सलामी बल्लेबाजी कर सकते हैं। ऐसे में सैमसन को मध्यक्रम में मौका मिल सकता है या फिर उन्हें बाहर बैठना पड़ सकता है।

संक्षिप्त समाचार

आपदा प्रभावितों को बांटी राहत सामग्री

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा आपदा प्रभावितों को राहत सामग्री वितरित की गई। रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा हाल ही में आपदा प्रभावित क्षेत्रों सैंजी, बुरांसी, नौंठा, कोटखाल, चैलूसैंण, चिपलघाट, कलगड़ी में भी राहत सामग्री का वितरण किया था। सोमवार को प्रभावितों को राहत सामग्री देते हुए जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया ने कहा कि आपदा की घड़ी में पीड़ितों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी अनिल गर्ब्याल, जिला सचिव रेडक्रॉस केशर सिंह असवाल, दीपक खंसुली, मदन मोहन नौडियाल, प्रदीप रावत आदि मौजूद थे।

शिक्षकों ने सरकार के खिलाफ किया प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : राजकीय शिक्षक संघ उत्तराखंड प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर बीरोंखाल शिक्षक संघ ने सोमवार को खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय बीरोंखाल में अपनी विभिन्न मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। राजकीय शिक्षक संघ बीरोंखाल ब्लॉक अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह बिष्ट ने कहा कि शिक्षक सरकार से काफी समय से मांग करते आ रहे हैं कि प्रधानाचार्य के पदों पर सीधी भर्तियों को निरस्त कर पदोन्नति के माध्यम से प्रधानाचार्यों की नियुक्ति की जाय। बीरोंखाल जेष्ठ प्रमुख कुलदीप सिहं नेगी भी शिक्षकों को अपना समर्थन दिया। इस अवसर पर देवेन्द्र सिंह बिष्ट, कुलदीप गौड़, कुलदीप बिष्ट, सतेन्द्र सिंह रावत, राजेश कुकरेती, नीता गिरी, प्रेरणा नेगी, प्रवीन चौहान आदि थे।

नगर प्रमुख ने किया आपदा प्रवाहित क्षेत्र का निरीक्षण

चमोली : थराली के नगर प्रमुख सुनीता रावत ने नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी, बार्ड सदस्य दिवाकर नेगी एवं क्षेत्र पंचायत के प्रमुख प्रवीण पुरोहित के साथ सोमवार को थराली के आपदा प्रवाहित क्षेत्र का निरीक्षण किया। नगर प्रमुख ने थराली बाजार, नासिर बाजार आदि क्षेत्रों का जायजा लिया। इस दौरान वह प्रभावितों से मिलीं और उनकी समस्याओं को लेकर उनसे बातचीत की। नगर अध्यक्ष ने कहा कि नगर क्षेत्र में आई आपदा में लोगों की परिसंपत्तियों को भारी नुकसान हुआ है। जिसका नगर पंचायत की टीम द्वारा आकलन किया जा रहा है।, उन्होंने प्रभावितों को हर संभव मदद की का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि नगर क्षेत्र में आपदा के दौरान कई स्थानों पर रात को स्ट्रीट लाइट की समस्या थी। जिन्हें ठीक कराया जा रहा है। कई स्थानों पर स्ट्रीट लाइट लगा दी गई है। इसके अलावा नुकसान का आकलन अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत का स्टाफ कर रहा है। जिसे लेकर एक विस्तृत रिपोर्ट शासन प्रशासन को भेजी जाएगी। थराली नगर की लिए अलग से योजना बनाकर परिसंपत्तियों का निर्माण पुनः कराया जाएगा। उन्होंने नगर क्षेत्र के निवासियों से आपदा की इस घड़ी में एकजुट होकर रहने की बात कही और सजग होकर आपदा से निपटने की बात कही। (एजेंसी)

आपदा प्रभावितों को किराया दिलाया जाएगा

चमोली : थराली विधायक भूपाल राम टम्टा सोमवार की प्रातः ही कुलसारी स्थित राहत शिविर में पहुंचे और प्रवाहितों से बातचीत की। विधायक ने प्रभावितों से कहा कि स्थिति सामान्य होने तक प्रभावित किराए के लिए घर भी ढूंढ सकते हैं। वह आ मुख्यमंत्री एवं जिलाधिकारी से इस संबंध में बातचीत करेंगे कि जब तक प्रभावितों के विस्थापन की कार्रवाई होती है या उन्हें सुरक्षित आवास नहीं दिया जाता है तब तक उन्हें किराए के भवन का किराया दिया जाए। उन्होंने प्रभावितों को हर संभव मदद का आश्वासन दिलाया। बाद में विधायक टम्टा थराली के आपदाग्रस्त विभिन्न क्षेत्रों के भ्रमण किया और उनका हाल जाना। (एजेंसी)

बीमार व्यक्ति का किया रेस्क्यू

चमोली : नारायणबगड़ के पालच्छुनी गांव में रिश्तेदारों से मिलने आए मोहन लाल की तबीयत सोमवार को अचानक बिगड़ गई। उन्हें उल्टी-दस्त और खून निकलने की शिकायत हुई। परिजनों ने तुरंत एसडीआरएफ और एनडीआरएफ को सूचना दी। राहत दलों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 108 एंबुलेंस सेवा को बुलाया और मौके पर डॉक्टरों की टीम मंगवाई। जवानों ने सतर्कता से मरीज को एंबुलेंस तक पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र थराली रेफर कर दिया गया। समय पर सहायता मिलने से बड़ी अनहोनी टल गई। (एजेंसी)

सतपुली में गुलदार ने फिर किया बच्चे पर हमला

गुलदार की घटनाओं के बाद श्रमिकों के डेरे में पहुंचकर प्रदर्शन करते सतपुली के ग्रामीण

गुलदार द्वारा बच्चे के हाथ में किया गया जख्म

तीन दिन पूर्व श्रमिकों के डेरे से मासूम को उठाकर बनाया था निवाला

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सतपुली मल्ली क्षेत्र में गुलदार की धमक थमने का नाम नहीं ले रही। तीन दिन पूर्व जहां गुलदार ने नेपाली श्रमिक के डेरे से मासूम को उठाकर निवाला बनाया था वहीं, रविवार रात भी गुलदार ने डेरे में सो रहे एक बच्चे पर हमले का प्रयास किया। डेरे में मौजूद पिता ने बच्चे को जकड़कर पड़ लिया था। लगातार गुलदार की घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने वन विभाग से गुलदार को आदमखोर घोषित कर उसे मारने की मांग उठाई। मालूम हो कि, तीन दिन पूर्व सतपुली मल्ली में गुलदार ने डेरे में बैठे तीन वर्षीय मासूम को उठाकर उसे निवाला बना दिया था। वन विभाग व पुलिस ने मासूम का शव डेरे से कुछ दूर झाड़ियों से बरामद किया। इस घटना के बाद नेपाली श्रमिको के डेरे को अन्यत्र शिफ्ट कर दिया गया। डेरा पूर्व के स्थान से करीब दो किलोमीटर आगे गुमखाल की तरफ शिफ्ट किया गया। पूर्व में हुई घटना को अभी लोग भूले भी न थे कि बीती रात गुलदार ने पुनः श्रमिकों के डेरे पर हमला किया। रात्रि करीब साढ़े ग्यारह बजे गुलदार श्रमिक तिलक के टेंट के समीप पहुंचा और टेंट के भीतर सो रहे उसके नौ वर्षीय बालक सूरज का हाथ मुंह में दबाकर उसे बाहर खींचने का प्रयास करने लगा। बच्चे के चीखते ही तिलक ने उसे जकड़कर पकड़ लिया था। इसके बाद डेरे के श्रमिक एकजुट हुए और गुलदार को मौके से खदेड़ा। इधर, सुबह होने पर लड़के को उपचार के लिए सतपुली हॉस्पिटल ले जाया गया है। गुलदार के हमले में लड़के के हाथ पर घाव बन गया। सूचना के बाद वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची। इस दौरान ग्रामीणों ने वन विभाग से गुलदार को आदमखोर घोषित कर उसे मारने की मांग उठाई। कहा कि गुलदार के आतंक से ग्रामीणों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल होता जा रहा है। सबसे अधिक खतरा बच्चों को बना हुआ है।

भरत व रानी कैकई के संवाद ने मोहा मन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत काशीरामपुर तल्ला में कल्पतरू बालिका रामलीला कमेटी की ओर से रामलीला मंचन किया जा रहा है। रामलीला मंचन के चतुर्थ दिवस पर भरत, शत्रुघ्न का अपने ननिहाल से वापस अध्योध्या लौटने, भरत व रानी कैकई का संवाद, भरत का राम को मिलने के लिए वन की ओर गमन करना, राम व भरत मिलन संवाद, भरत का राम की चरण पादुका लेकर वापस अध्योध्या लौटने के दृश्यों को दिखाया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व ब्लाक प्रमुख गीता नेगी ने किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में पहली बार मातृशक्ति के माध्यम से रामलीला का मंचन किया जाना गौरव की बात है। कहा कि रामलीला का मंचन सिर्फ मनोरंजन के लिए नहीं है, बल्कि पूरी रामलीला मंचन के पीछे समाज को अच्छा संदेश देना भी है। उन्होंने मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम चंद्र के जीवन से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया। रामलीला मंचन में भरत व शत्रुघ्न अपनी ननिहाल से वापस अयोध्या पहुंचते है, जहां पर भरत व कैकई का संवाद के दृश्य को दिखाया गया, जहां पर भरत अपने पिता राजा दशरथ, राम, लक्ष्मण सीता के बारे में पूछते है, जहां पर कैकई राजा से मांगे गए दो वरों के बारे में बताती है। जहां पर भरत रूष्ट हो जाते है तथा राम को मिलने के लिए वन चले जाते है, जहां पर भरत व रामचंद्र का मिलाप होता है, भरत रामचंद्र जी से वापस अयोध्या चलने का आग्रह करते है, जिस पर रामचंद्र जी भरत को समझाते है, आखिरकार भरत भगवान रामचंद्र की चरण पादुका लेकर वापस अयोध्या लौट आते हैं। इस मौके पर आंचल कुमार अग्रवाल, राकेश रावत, दिनेश बौंठियाल मौजूद रहे।

एलयूसीसी पीड़ितों ने निकाली आक्रोश रैली

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पिछले कई दिनों से तहसील परिसर में धरना दे रहे द लोनी अर्बन मल्टी स्टेट क्रेडिट एंड थ्रिफ्ट को-आपरेटिव सोसाइटी (एलयूसीसी) व ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवार के पीड़ितों ने सोमवार को आक्रोश रैली निकाली। इस दौरान सरकार से जल्द से जल्द डूबी रकम वापस दिलवाने की भी मांग उठाई गई।

सोमवार को एलयूसीसी व ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवार के सदस्य हिंदू पंचायती धर्मशाला में एकत्रित हुए। यहां से उन्होंने तहसील परिसर तक आक्रोश रैली निकाली। साथ ही उपजिलाधिकारी सोहन सैनी के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। पीड़ितों ने कहा कि वह पिछले कई दिनों से समस्या को लेकर धरना दे रहे हैं। लेकिन, अब तक उनकी सुध नहीं ली गई। कहा कि वर्ष 2019 में संसद में सर्वसम्मति से अनियोजित जमा योजनाएं पाबंदी कानून बनाया गया था, जिसमें कंपनी में डूबी

कोटद्वार में आक्रोश रैली निकालकर प्रदर्शन करते एलयूसीसी के ठगी पीड़ित

रकम को 180 दिन में दिए जाने का प्राविधान किया गया है, जिसके लिए प्रत्येक जनपद में भुगतान पटल की स्थापना किए जाने का भी प्राविधान है, लेकिन अभी तक डूबी रकम के भुगतान की प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाई। इस मौके पर सुखदेव शास्त्री, कुलवंत पुंडीर, सुरेश सिंह नेगी, गजे सिंह रावत, नीमा भंडारी, मुकेश चंद्र, इंदू देवी, सीमा देवी, बिजेंद्र सिंह, बीरेंद्र सिंह, जयपाल सिंह रावत, शिवानी नेगी, अंजू डबराल, बिनीता रावत मौजूद रहे।

युवक ने अलकनंदा में लगाई छलांग, रेस्क्यू जारी

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत अलकेश्वर घाट से एक युवक ने सोमवार को अलकनंदा नदी में छलांग लगा दी। इस दौरान घाट पर टहल रहे लोगों ने घटना की सूचना पुलिस और एसडीआरएफ को दी। मौके पर पहुंची एसडीआरएफ, जल पुलिस की टीम ने युवक की खोजबीन शुरू की, लेकिन नदी का बहाव तेज होने के कारण युवक का कुछ पता नही चल पाया। एसडीआरएफ को रेस्क्यू आपरेशन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। एसडीआरएफ श्रीनगर इंचार्ज मंजरी नेगी ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 9 बजे एक युवक द्वारा अलकनंदा नदी में छलांग लगाने की सूचना प्राप्त हुई। बताया कि युवक की पहचान अनिल रावत, निवासी सुपाणा के रूप में हुई है। बताया कि इसकी सूचना देवप्रयाग और ऋषिकेश के थाना प्रभारियों को दे दी गई है। बताया कि अलकनंदा नदी में तेज बहाव होने के कारण एसडीआरएफ और जल पुलिस को रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कतें हो रही हैं। (एजेंसी)

शिविर में पचास यूनिट रक्त हुआ एकत्रित

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित शिविर में रक्तदान करते लोग

कोटद्वार : राज योगिनी दादी प्रकाशमणि की 18वीं पुण्य तिथि पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पचास लोगों ने रक्तदान किया।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सुख शांति भवन में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रक्तदान के लिए 80 लोगों ने पंजीकरण करवाया था। संस्थान की प्रमुख बीके ज्योति ने बताया कि राज योगिनी दादी प्रकाशमणि की 18वीं पुण्य तिथि पर पूरे भारत में रक्तदान शिविर का अयोजन किया जा रहा है। शिविर के दौरान आमजन को रक्तदान के फायदे भी बताए जा रहे हैं।

कहा कि किसी जरूरतमंद को जीवन देने के लिए हमें रक्तदान अवश्य करना चाहिए। रक्तदान ही सबसे बड़ा दान है। उन्होंने लोगों से अपने जन्मदिवस व अन्य शुभ अवसरों पर रक्तदान करने की अपील की। कहा कि इसके लिए हमें अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करना चाहिए। इस मौके पर बीके अनामिका, बीके दीपेश, विजय आदि मौजूद रहे।

बिना जानकारी संयुक्त खातों के जमीन की हो रही रजिस्ट्री

ग्राम तोली के ग्रामीणों ने संयुक्त खातों की जमीन बेचे जाने पर जताया आक्रोश

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : द्वारीखाल ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम सभा तोली में बिना जानकारी संयुक्त खातों की जमीन की रजिस्ट्री होने पर ग्रामीणों ने रोष व्यक्त किया है। कहा कि पहाड़ में भूमि की खरीद-फरोख्त हो रही है। कई ग्रामीणों की संयुक्त भूमि बिक चुकी है और उन्हें इसकी जानकारी तक नहीं है।

इस संबंध में ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी से मुलाकात की। बताया कि वर्तमान में पर्वतीय क्षेत्रों में जमीन खरीद-फरोख्त के मामले बढ़ने लगे हैं। जमीनों की खरीद-फरोख्त करने वाले लोगों ने ग्राम सभा तोली के भोले-भाले ग्रामीणों से संपर्क कर उनकी जमीनों को औने पौने दामों में खरीद लिया, यही नहीं

कोटद्वार तहसील में उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए तोली ग्राम सभा के ग्रामीण

खरीदी गई जमीनों की आड़ में संयुक्त खातों की जमीनों की भी रजिस्ट्री करवा दी। जिसकी जानकारी अन्य खातेदारों को नहीं है। कहा कि ग्राम सभा तोली में सामूहिक खातेदारों की भूमि की खरीद फरोख्त पर तत्काल रोक लगाई जाए। इस मौके पर प्रमोद बिष्ट, अंकित रावत, रोहित बिष्ट, हरेंद्र सिंह, शैलेंद्र सिंह रावत, सीमा देवी मौजूद रहे।

शहर की समस्याओं पर की चर्चा

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : व्यापार सभा की सोमवार को आयोजित बैठक में विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान व्यापारियों ने बिना सत्यापन के शहर में घूम रहे फेरीवालों, कबाड़ियों पर भी अंकुश लगाने की मांग की। व्यापारियों ने पालिका प्रशासन से धारा रोड बस अड्डे से गुरु राम राय जाने वाले मार्ग को जल्द दुरुस्त करवाने, मार्ग के आसपास स्वच्छता को लेकर भी विस्तार से चर्चा की। व्यापार सभा के संरक्षक वीरेंद्र सिंह रावत की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में व्यापारियों के हितों को देखते हुए एजेंसी चौक से पूर्व की भांति टैक्सियों के संचालन करवाने को लेकर विचार विमर्श किया गया। व्यापार सभा के अध्यक्ष विनय शर्मा ने बताया कि आगामी बैठक में कूड़ा निस्तारण को लेकर नगर पालिका को दुकानों की स्थिति के अनुसार किसके द्वारा कितना शुल्क दिया जाना है, तय किया जाएगा। बैठक में व्यापारियों ने मनमाने कूड़ा निस्तारण शुल्क पर नाराजगी जताई। बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोज रावत अंजुल, कोषाध्यक्ष दिलबर सिंह भंडारी, भूपेंद्र नवानी, रवि वर्मा, राम सिंह रावत, राजवीर राणा, दयाराम, बृजेश अरोड़ा, शुभम नेगी, ललित चिटकारिया आदि मौजूद रहे।

शिक्षकों ने सरकार पर लगाया अधिकारों से वंचित करने का आरोप

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : राजकीय शिक्षक संघ के प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर शिक्षकों ने पदोन्नति और तबादलों सहित विभिन्न मांगों को लेकर जिले के सभी खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालयों में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया। शिक्षकों ने आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार शिक्षकों के अधिकारों से उन्हें वंचित कर रही है। सोमवार को राजकीय शिक्षक संघ के आह्वान पर पौड़ी जिले में खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय पौड़ी, कल्जीखाल, कोट, पाबौ, थलीसैंण सहित अन्य ब्लॉकों में शिक्षकों ने एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया। इस मौके पर संघ के जिला संरक्षक जयदीप रावत ने कहा कि शिक्षक को 30 से 35 साल की सेवा के बाद समुचित सम्मान नहीं मिल रहा है। सरकार शिक्षक से प्रधानाचार्य पद पर पदोन्नत होने का अधिकार छीनने का काम कर रही है। वह जिस पद पर तैनात हो रहे हैं उसी पद पर सेवानिवृत्त हो रहे हैं। बताया कि यदि सरकार शिक्षकों की सभी स्तरों पर शत प्रतिशत पदोन्नतियां, वार्षिक स्थानांतरण एवं अन्य महत्वपूर्ण मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है तो शिक्षक धरने प्रदर्शन के साथ-साथ अन्य कठोर कदम उठाने के लिए भी मजबूर हो जाएंगे। वक्ताओं ने प्रांतीय नेतृत्व द्वारा दिए गए कार्यक्रम को सफल बनाते हुए जिला, मंडल व प्रदेश स्तर पर होने वाले धरने में भी बढ़ चढ़कर भाग लेने का संकल्प लिया। प्रदर्शन करने वालों में जिला उपाध्यक्ष मनोज काला, ब्लॉक अध्यक्ष मनोज कुमार बिष्ट, ब्लॉक मंत्री भरत सिंह बुटोला, ब्लॉक उपाध्यक्ष पौड़ी सुबोध कुकरेती, महिला उपाध्यक्ष श्वेता बिष्ट रौतेला, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष पौड़ी भवान सिंह नेगी, पूर्व मंडल मंत्री देवेंद्र सिंह रावत, पूर्व जिलाध्यक्ष मेहरबान सिंह भंडारी, पूर्व जिला संयुक्त मंत्री रघुराज सिंह चौहान, ममता पंवार, सुनीता नेगी, पार्वती ध्यानी आदि शामिल रहे।

चामुंडा देवी की दिवारा यात्रा का भव्य स्वागत

रुद्रप्रयाग : कालीमठ घाटी के जाल मल्ला के चौरा से मां चामुंडा देवी की दिवारा यात्रा गांव-गांव जाकर भक्तों की कुशलक्षेम पूछ रही है। दिवारा यात्रा को लेकर लोगों में जोरदार उत्साह है। हर कोई मां की यात्रा का फूल मालाओं के साथ स्वागत कर रहा है। 15 वर्षों बाद शुरू हुई मां चामुंडा देवी की दिवारा यात्रा को लेकर बीते दिन विधि-विधान के साथ पूजा अर्चना की गई। यात्रा से पूरे क्षेत्र का वातावरण भक्तिमय और आध्यात्मिक बना है। यात्रा के दौरान चामुण्डा देवी की डोली केदारनाथ सहित सम्पूर्ण केदार घाटी के तीर्थ स्थलों और गांवों का भ्रमण करेगी। ग्रामीणों के साथ ही श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देगी। देवी की दिवारा यात्रा का समापन जाल मल्ला पहुंचने पर होगा। पहले दिन डोली की यात्रा में जाल मल्ला, जाल तल्ला, चौमासी, चिलौण्ड व खोन्नू सहित कालीमठ घाटी के दर्जनों गांवों से बड़ी संख्या में लोग पुण्य अर्जित करने पहुंचे। इससे पहले आचार्य रोहन देवशाली, अमित भट्ट, राजेन्द्र प्रसाद देवशाली, पुरूषोत्तम भट्ट व प्रकाश भट्ट ने भगवती चामुण्डा की तपस्थली चौरा में पंचाग पूजन किया। मां चामुण्डा, जाखराजा सहित तैंतीस कोटि देवी–देवताओं का आह्वान करते हुए आरती उतारी। श्रद्धालुओं ने मां चामुण्डा की डोली और अन्य देवी–देवताओं के निशानों का विशेष श्रृंगार किया। दोपहर बाद यात्रा के रवाना होते ही पूरा इलाका भगवती की जयकारों से गूंज उठा। इस दौरान कई देवी-देवता नर रूप में अवतरित हुए और यात्रा के निर्विघ्न संपन्न होने का आशीर्वाद दिया। भक्तों ने डोली की परिक्रमा की साथ ही लाल-पीले वस्त्र अर्पित कर मन्नतें मांगी। यात्रा को ब्राह्मणों द्वारा वेद मंत्रों और महिलाओं द्वारा भजनों के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। इस मौके पर केदारनाथ की विधायक आशा नौटियाल ने कहा कि भगवती चामुण्डा देवी की महिमा का वर्णन वेद-पुराणों में मिलता है। कालीमठ घाटी की धार्मिक, आध्यात्मिक व सांस्कृतिक पहचान विशिष्ट है। उन्होंने चामुण्डा मन्दिर और उसके परिसर के सौन्दर्यीकरण के लिए विधायक निधि से दस लाख रुपये देने की घोषणा की। राज्य मंत्री चण्डी प्रसाद भट्ट ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड में दिवारा भ्रमण की परम्परा युगों पुरानी है, आज भी भक्त इसे निष्ठा से निभा रहे हैं। कार्यक्रम में ज्येष्ठ प्रमुख राकेश नेगी, जिला पंचायत सदस्य ल्वारा सुबोध बगवाडी, सरोज देवी, प्रधान बुरूवा मदन भट्ट, भाजपा ऊखीमठ मण्डल अध्यक्ष दलवीर नेगी, उद्योगपति खुशहाल नेगी सहित कई लोग मौजूद थे।

रोटरी क्लब ने मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

श्रीनगर गढ़वाल : रोटरी क्लब अलकनंदा वैली उत्तराखंड का पंचम अधिष्ठापन समारोह सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन रवि प्रकाश, असिस्टेंट गवर्नर रो विकास गर्ग और एग्जीक्यूटिव सेक्रेटरी रो पंकज पांडे द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर रोटरी क्लब के सचिव मनोज कंडवाल ने 2024-25 की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। वहीं हाईस्कूल और इंटरमीडिएट में प्रथम आने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर द्वारा वर्तमान अध्यक्ष रोटेरियन सुनील बिजल्वाण को इस वर्ष 2025-26 के दायित्व निर्वहन के लिए कॉलर धारण करवाया गया।

प्राथमिक बालिका वर्ग में 100, 200 और 400 मी. दौड़ में अमीषा ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : कंडोलिया खेल मैदान में सोमवार को सरस्वती शिशु मंदिर संकुल पौड़ी की खेलकूद और बौद्धिक प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। जिसमें सरस्वती शिशु विद्या मंदिर विकास मार्ग का दबदबा रहा। बौद्धिक प्रतियोगिताओं में साहित्यिक प्रश्न मंच के प्राथमिक वर्ग में विकास मार्ग पौड़ी की टीम ने पहला, कला प्रतियोगिता में क्यूंकालेश्वर स्कूल की आयुषी ने पहला, कथा कथन प्रतियोगिता में विकास मार्ग की मुस्कान ने पहला स्थान प्राप्त किया। जूनियर वर्ग बौद्धिक प्रतियोगिताओं में साहित्यिक प्रश्न मंच, विज्ञान प्रदर्शनी व विज्ञान प्रश्न मंच में विकास मार्ग की स्कूल ने पहला स्थान पाया। वीर रस कविता में विकास मार्ग की वैष्णवी, कला में मिस्टी, आचार्य पत्र वाचन में विकास मार्ग की मेनका प्रथम रहीं। कंडोलिया मैदान में आयोजित प्राथमिक बालिका वर्ग की 100, 200 और 400 मीटर दौड़ में एसएसवीएम विकास मार्ग की अमीषा ने पहला स्थान प्राप्त किया। इशिता ने गोला फेंक, लंबी और ऊंची कूद में बाजी मारी। खो-खो में भी एसएसवीएम विकास मार्ग की टीम अव्वल रही। गोला फेंक में अरमान, ऊंची कूद में अरनव ने पहला स्थान हासिल किया। कबड्डी प्राइमरी व जूनियर बालक वर्ग में एसएसवीएम विकास मार्ग के छात्रों ने पहला स्थान हासिल किया। जूनियर वर्ग की 100 मी..दौड़ में आदित्य, ऊंची कूद में सचिन शाह ने बाजी मारी। कबड्डी में विकास मार्ग और खो-खो में घुड़दौड़ी ने पहला स्थान पाया। जूनियर बालिका वर्ग की 100 मीटर दौड़ में पायल और 200, 400 और 600 मीटर दौड़ में विकास मार्ग की सिमर ने बाजी मारी। गोला फेंक में विकास मार्ग स्कूल की पायल, चक्का फेंक में इसी स्कूल की सिमर, लंबी कूद में घुड़दौड़ी स्कूल की अंशिका, ऊंची कूद में विकास मार्ग की पायल अव्वल रही। इस मौके पर संकुल प्रमुख राकेश चमोली, ओमपाल, संदीप रावत, सुखपाल सिंह नेगी, जसपाल रावत, होरी प्रसाद, विनोद मुंडेपी, बृजपाल, रूबी, महेंद्र, मेनका, नीलम रावत, नीलम नेगी, वैभव, निशा आदि मौजूद रहे।

महाविद्यालय में नवप्रवेशी छात्रों का किया स्वागत

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : राजकीय महाविद्यालय कल्जीखाल में सोमवार को नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं के लिए दीक्षारंभ समारोह का आयोजन किया गया। प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का स्वागत भी किया गया। इस दौरान राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बारे में भी छात्र-छात्राओं को जानकारी दी गई, ताकि आने वाले समय में छात्रों को पढ़ाई में किसी भी तरह की समस्या पैदा ना हो। इस मौके पर महाविद्यालय के प्राखर्य डॉ. कवि श्रीवास्तव ने कहा कि महाविद्यालय छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। कहा कि छात्रों की समस्याओं का समाधान किया जायेगा। छात्रों को हर प्रकार की सुविधा का लाभ दिया जायेगा।

कल्जीखाल महाविद्यालय में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि समाजसेवी जगमोहन डांगी।

मुख्य अतिथि समाजसेवी जगमोहन डांगी ने कहा कि सरकार ने उच्च शिक्षा के लिए चार साल पूर्व कल्जीखाल में महाविद्यालय पाठ्यक्रम की शुरुआत की थी, अब तक दो वैच पास आउट भी हो गए है फिर भी छात्र-छात्राओं की संख्या में बढ़ोतरी नहीं हो पाई रही है। जो चिंतनीय है। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय की नव निर्वित भवन तैयार है, लेकिन अभी तक स्थानांतरण नहीं होने से वर्तमान स्थायी भवन में पाठ्यक्रम संचालित करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को नालसा व सालसा द्वारा धारा 12 के तहत निःशुल्क संचालित विधिक सेवाओं की भी जानकारी दी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कवि श्रीवास्तव ने महाविद्यालय में अध्ययन कर रहे छात्र-छात्राओं को दीक्षा प्रदान की। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. राजीव कनौजिया, डॉ. शोभा रावत, डॉ. सुमित, डॉ. नीलम, निशा चौहान, मुकेश नंदकिशोर, मोहम्मद अली, डॉ. नीतिश शर्मा आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नीति शर्मा ने किया।

मेहलचौंरी बाजार में बना बोल्डर गिरने का खतरा

चमोली : गैरसैंण तहसील के मेहलचौंरी अपर बाजार में बोल्डर गिरने का खतरा बना हुआ है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इसका ट्रीटमेंट नही किया गया तो इससे जान माल का खतरा हो सकता है। बतादें के भारी बारिश के बाद एनएच से करीब 200 मीटर की ऊचांई पर पहाड़ी से एक बड़ा बोल्डर धीरे-धीरे अपना स्थान छोड़ रहा है, जो कभी भी गिर सकता है। स्थानीय निवासी पान सिंह मढ़वाल ने बताया कि 13-14 साल पूर्व इस स्थान से एक बड़ा बोल्डर उनकी मकान के बगल से होता हुआ अन्य मकान को पूर्ण क्षतिग्रस्त कर गया था, हालांकि गनीमत रही वहा एक ठेकेदार ने स्टोर रूम बना रखा था नही तो जान माल का खतरा हो सकता था, इसी घटना को देखते हुये उन्होंने अपना पुस्तैनी मकान छोड़ कर अन्यत्र मकान बनाना पड़ा। स्थानीय निवासी जगमोहन, विरेन्द्र परसारा, चंद्र सिंह पुण्डीर, संतोष भडारी आदि ने शाशन प्रशासन से इस बोल्डर का उचित उपचार करने की मांग की है। (एजेंसी)

स्कूल प्रबंधन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए तत्पर

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : आर्मी पब्लिक स्कूल, लैंसडौन के छात्रों ने अंडर-18 बालक वर्ग की राज्य स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता में पौड़ी जिले की टीम से प्रतिभाग किया। आर्मी पब्लिक स्कूल लैंसडौन के चेयरमैन ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी, वीएसएम ने छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्कूल प्रबंधन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए हमेशा तत्पर है। विद्यालय के प्रधानाचार्य विजेंद्र दत्त सुंद्रियाल ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि राज्य स्तर पर प्रतिभाग कर इन छात्रों ने विद्यालय एवं शहर का नाम रोशन किया है। उन्होंने दोनों प्रतिभागी छात्रों के साथ-साथ खेलों में रुचि रखने वाले अन्य विद्यार्थियों को भी इसी प्रकार खेल भावना के साथ निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। 22 से 24 अगस्त तक उत्तराखंड बास्केटबॉल एसोसिएशन द्वारा शिवडेल पब्लिक स्कूल, हरिद्वार में आयोजित राज्यस्तरीय बास्केटबॉल अंडर 18 बालक वर्ग की प्रतियोगिता में उत्तराखंड राज्य के 12 जिलों की टीमों ने भाग लिया। पौड़ी जिले की बास्केटबॉल टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। इससे पूर्व जुलाई माह में कोटद्वार में आयोजित जिला स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता के बाद आर्मी पब्लिक स्कूल लैंसडौन के प्रियांशु और देव राजपूत का चयन राज्य स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता के लिए हुआ था। स्कूल के शारीरिक शिक्षा शिक्षक विजयपाल सिंह रावत ने बताया कि पौड़ी जिले की टीम को पिथौरागढ़ और चंपावत की टीमों के साथ पूल ए में रखा गया था, जिसमें लीग मैचों की समाप्ति के बाद पौड़ी जिले की टीम ने दूसरे स्थान पर रहते हुए नॉक आउट के लिए क्वालीफाई किया ।

संक्षिप्त समाचार

कड़क पहाड़ी खेल प्रोत्साहन समिति के सदस्यों का किया सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार। सोमवार को विक्रम संवत 2082 भाद्रपद शुक्ल पक्ष की द्वितीया के दिन कल्पतरु बालिका रामलीला कमेटी काशीरामपुर तल्ला कोटद्वार द्वारा कड़क पहाड़ी खेल प्रोत्साहन समिति के सदस्यों का सम्मान व स्वागत किया गया। रामलाल कमेटी की मातृशक्ति द्वारा कड़क पहाड़ी खेल प्रोत्साहन समिति के उपस्थित सदस्यों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया तथा समिति के अध्यक्ष बबलू नेगी को स्मृति चिन्ह एवं अंग वस्त्र भेंट किया गया। कड़क पहाड़ी खेल प्रोत्साहन समिति के संदीप बिष्ट, अंचल कुमार अग्रवाल,अमित बलोदी, नीरज ढोंढियाल, अभय राणा उपस्थित थे।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर किया जायेगा खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : हॉकी के जादूगर स्व0 मेजर ध्यानचंद के जन्मोत्सव 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस मौके पर स्पोर्ट्स स्टेडियम गोपेश्वर में विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं का अयोजन किया जायेगा। जनपद के राजकीय/ शासकीय/अर्द्धशासकीय विद्यालयों की टीमों को जिला क्रीड़ा विभाग द्वारा आमंत्रित किया गया है। हॉकी अण्डर 17 बालक वर्ग का आयोजन 27 व 28 अगस्त को किया जायेगा। इसी क्रम में फुटबॉल अण्डर 17 बालक वर्ग का आयोजन अपराह्न 3 बजे से 27 व 28 को किया जायेगा। इसके साथ ही बालक एवं बालिका वर्ग में क्रॉस कन्ट्री दौड़ का आयोजन 29 अगस्त को पूर्वाह्न 9 बजकर 30 मिनट से स्पोर्ट्स स्टेडियम गोपेश्वर से घिघंराण मोटर मार्ग होते हुए स्पोर्ट्स स्टेडियम में सम्पन्न करावाया जाएगा। बालक अण्डर 12 वर्ष के लिए निर्धारित दूरी 2 किमी., अण्डर 14 वर्ष के लिए 3 किमी., अण्डर 17 वर्ष के लिए 5 किमी. और ओपन वर्ग के लिए 7 किमी. निर्धारित की गयी है। इसके अतिरिक्त बलिका अण्डर 12 वर्ष के लिए 2 किमी., अण्डर 17 वर्ष के लिए 3 किमी. एवं बालिका ओपन वर्ग के लिए 5 किमी. दूरी निर्धारित की गयी है। प्रभारी जिला क्रीड़ाधिकारी मोहित सिंह खेल प्रतियोगिताओं में विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हॉकी एवं फुटबॉल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाली टीमों को 26 अगस्त अपराह्न 4 बजकर 30 मिनट तक जिला क्रीड़ाधिकारी कार्यालय में से पंजीकरण अनिवार्य रूप से कराना होगा। तथा क्रॉस कट्री दौड़ में प्रतिभाग करने के लिए 29 अगस्त को सुबह 8 बजकर 30 मिनट तक स्पोर्ट्स स्टेडियम पहुंचना होगा।

राजीव गांधी नवोदय विद्यालयों में लेटरल एंट्री से भी मिलेंगे प्रवेश

देहरादून। राजीव गांधी नवोदय विद्यालयों में पढ़ने के इच्छुक छात्र–छात्राओं को अब लेटरल एंट्री के माध्यम से भी प्रवेश मिल पाएगा। इन स्कूलों में छठवीं से लेकर 11वीं कक्षा में रिक्त सीटों पर दाखिले के लिए लेटरल प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। शिक्षा मंत्री डॉ.धन सिंह रावत के अनुमोदन के बाद इसके आदेश जारी कर दिए गए हैं। अभी राजीव गांधी नवोदय विद्यालयों में प्रवेश परीक्षा के माध्यम से सिर्फ कक्षा छह में प्रवेश होते रहे हैं। कई छात्र प्रवेश परीक्षा के सफल होने के बाद यहां एडमिशन नहीं लेते हैं।

साथ ही आगे की अलग–अलग कक्षाओं में भी छात्र दूसरे विद्यालयों में अपना ट्रांसफर करवा देते हैं, ऐसे में राजीव गांधी नवोदय विद्यालयों में सीटें खाली रह जाती हैं। शिक्षा मंत्री डॉ.धन सिंह रावत ने इस स्थिति में स्कूल के संसाधानों के पूरे उपयोग के लिए हर स्तर पर सभी सीटों को भरने के लिए लेटरेल एंट्री का सुझाव अधिकारियों को दिया थ। सोमवार को विद्यालयी शिक्षा सचिव रविनाथ रमन ने लेटरल एंट्री के जरिए रिक्त सीटों को भरने का शासनादेश जारी किया।

इसमें अब राजीव गांधी नावेदय विद्यालयों में कक्षा–6 में प्रवेश परीक्षा से होने वाले दाखिलों के बाद रिक्त रहने वाली सीटों के साथ ही कक्षा सात से लेकर 11वीं तक में खाली रहने वाली सीटों पर लेटरल एंट्री प्रवेश परीक्षा होगी। प्रवेश परीक्षा की मेरिट के आधार पर छात्रों को राजीव गांधी नवोदय विद्यालय में प्रवेश दिया जाएगा। इसमें प्रतीक्षा सूची भी तैयार की जायेगी, ताकि लेटरल एंट्री में भी कोई चयनित छात्र प्रवेश नहीं लेता है तो उसके स्थान पर दूसरे को मौका दिया जाएगा।

जितेन्द्र कुमार आत्महत्या मामले में 4 और अभियुक्त गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जनपद पौड़ी गढ़वाल के तलसारी गांव में युवक की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने अब चार अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया है। ये चारों आरोपी भी प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते है और देहरादून जिले के रहने वाले है। चारों गिरफ्तार अभियुक्तों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। पुलिस पूर्व में मुख्य अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

जनपद पौड़ी के ग्राम तलसारी निवासी युवक जितेन्द्र कुमार की आत्महत्या मामले में परिजनों की तहरीर के आधार पर कोतवाली पौड़ी में आईपीसी की धारा 108 बीएनएस अभियोग पंजीकृत किया गया था। इस प्रकरण में पुलिस टीम द्वारा विवेचनात्मक कार्यवाही कर लगातार गहन जांच कर आवश्यक साक्ष्यों का संकलन किया जा रहा है। मामले में पुलिस ने बीते शुक्रवार को ही मुख्य आरोपी एवं भाजपा नेता हिमांशु चमोली को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। कोठारी मोहल्ला, थाना डोईवाला, जनपद देहरादून, गौरव काम्बोज निवासी बुलावाला, डोईवाला देहरादून, विकास शाह निवासी हरिद्वार रोड, भानियावाला तिराह, देहरादून, अभिषेक गैरोला निवासी बड़कोट रानीपोखरी देहरादून के विरूद्ध भी पर्याप्त साक्ष्य पाये जाने पर चारों को गिरफ्तार किया गया है। चारों गिरफ्तार अभियुक्तों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। एसएसपी ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा उक्त मामले में साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया एवं प्रभावी जांच जारी है तथा जो भी व्यक्ति प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से इस प्रकरण में सम्मिलित पाए जाएंगे, उनके विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी लोकेश्वर सिंह ने बताया कि शुभंम खण्डूरी निवासी

दादड को नया मतदेय स्थल बनाने का दिया सुझाव

चमोली : जिला निर्वाचन विभाग की ओर से सोमवार को जनपद चमोली में मतदेय स्थलों के भौतिक सत्यापन को लेकर बैठक आयोजित की गई। इस दौरान उप जिलाधिकारी राजकुमार पांडेय की अध्यक्षता में राजनैतिक दलों और अन्य माध्यमों से मतदेय स्थलों को लेकर मिले प्रस्तावों को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की ओर से पाडुली में स्थित मतदेय स्थल को राजकीय प्राथमिक विद्यालय से स्थानांतरित कर पंचायत भवन पाडुली और मतदेय स्थल देवखाल से दादड़ को अलग कर नया मतदेय स्थल बनाने दादड बनाने के सुचाव दिए गए। इस दौरान कांग्रेस के आनंद सिंह पंवार, भाजपा के विनोद कनवासी, आप के अनूप रावत, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी धीरेंद्र चंद्र सती, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी गीताराम उनियाल सहित अन्य कर्मचारी मौजूद थे। (एजेंसी)

वासुकीताल गया डॉक्टर एक दिन बाद मिला

रुद्रप्रयाग : केदारनाथ से वासुकीताल घूमने गए मेडिकल टीम के 11 सदस्यीय दल में एक डॉक्टर रास्ता भटक गया और टीम से बिछुड़ गया। जब दल में एक सदस्य नहीं दिखा तो सभी परेशान हो गए और उन्होंने एनडीआरएफ को इस बात की सूचना दी। खबर मिलते ही एनडीआरएफ टीम ने खोजबीन की किंतु पहले दिन उन्हें कोई पता नहीं चला। दूसरे दिन टीम को डॉक्टर की लोकेशन पहाड़ी पर एक बड़े पत्थर की ओर मिली और डॉक्टर को सुरक्षित खोज निकाला गया। जानकारी के अनुसार 24 अगस्त को केदारनाथ 11 सदस्यीय मेडिकल टीम 12 किमी. दूर वासुकीताल घूमने गई। टीम में एक सदस्य लापता हो गया। इस बीच केदारनाथ सेक्टर मजिस्ट्रेट नवजोत सिंह ने एनडीआरएफ को सूचना दी कि 11 सदस्यीय डॉक्टरों की टीम में एक सदस्य देर सांय तक भी वासुकीताल से वापस केदारनाथ बेस कैंप नहीं पहुंच पाया है। एनडीआरएफ की टीम शाम 8:30 बजे की वासुकीताल की ओर डॉक्टर को खोजने के लिए रवाना हो गई। पहले दिन काफी खोजबीन की किंतु टीम को सफलता नहीं मिली। एनडीआरएफ ने रात रास्ते में ही काटी। अगले दिन एनडीआरएफ की टीम ने फिर से वासुकीताल में खोजबीन की। टीम को वासुकीताल ट्रैक की पहाड़ी की चोटी पर एक बड़े पत्थर के पास डॉक्टर की लोकेश को खोजने में कामयाबी मिली। वहां डॉक्टर का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। एनडीआरएफ की टीम द्वारा वापस डॉक्टर को अपने साथ सुरक्षित केदारनाथ हॉस्पिटल में पहुंचाया गया। एनडीआरएफ की टीम में निरीक्षक अमलेश सिंह, उपनिरीक्षक उपेंद्र रावत, हवलदार पुष्कर, मुंडे श्री कृष्णा, हवलदार मनोज, अर्जुन, विनय, सूर्य प्रकाश, अनुज, अमित, नवीन, लक्ष्मण, मेजर, प्रवीण आदि शामिल थे। (एजेंसी)

एयरफोर्स करेगी चिन्यालीसौड़, गौचर हवाई पट्टियों का संचालन

पिथौरागढ़ एयरपोर्ट विस्तार पर खर्च होंगे 450 करोड़ रुपए

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : चिन्यालीसौड़ (उत्तरकाशी) ओर गौचर (चमोली) हवाई पट्टियों का संचालन इंडियन एयरफोर्स करेगी। जबकि पिथौरागढ़ हवाई अड्डे का संचालन एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा किया जाएगा। सरकार पिथौरागढ़ एयरपोर्ट का विस्तार भी करने जा रही है, जिस पर 450 करोड़ रुपए खर्च होंगे। प्रदेश सरकार सीमांत जनपदों में हवाई सेवाओं को विस्तार करने पर जोर दे रही है। इससे स्थानीय निवासियों के साथ ही सामरिक जरूरतों को भी पूरा किया जा सकता है। इसी क्रम में राज्य सरकार ने चिन्यालीसौड़ (उत्तरकाशी) और गौचर (चमोली) में स्थित हवाई पट्टियों का संचालन भारतीय एयरफोर्स के हवाले करने पर सैद्धांतिक सहमति प्रदान कर दी है। इसी तरह प्रदेश सरकार पिथौरागढ़ एयरपोर्ट पर बढ़ती हवाई सेवाओं को देखते हुए, इसका संचालन एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के जरिए करने पर सैद्धांतिक तौर पर सहमत हो गई है। इसके लिए राज्य सरकार और एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इँडिया के बीच एमओयू पर सहमति बन गई है। सरकार पिथौरागढ़ एयरपोर्ट का विस्तार भी करने जा रही है, जिस पर करीब 450 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसके साथ ही सरकार गुंजी से आदि कैलाश क्षेत्र में हवाई सेवा शुरू करने के लिए यहां एक किमी लंबी हवाई पट्टी बनाने की तैयार कर रही है, इस हवाई पट्टी के निर्माण में भी एयरफोर्स द्वारा तकनीकी सहयोग प्रदान किया जाएगा।

एलटी चयनित अभ्यर्थियों का कूच आज

देहरादून। एलटी चयनित अभ्यर्थी नियुक्ति की मांग को लेकर आज मुख्यमंत्री आवास कूच करेंगे। वह पिछले 130 दिन से शिक्षा निदेशालय के बाहर धरना दे रहे हैं। धरने के दौरान सीएम आवास कूच की रणनीति पर सोमवार को चर्चा की गई। इस मौके पर चयनित अभ्यर्थियों ने कहा कि सरकार उनके पक्ष को लेकर कोर्ट में मजबूत पैरवी नहीं कर रही है। इस वजह से एलटी चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति प्रक्रिया बहाल नहीं हो पा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को खुद इस मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए। ताकि नियुक्ति प्रक्रिया बहाल हो सके। वक्ताओं ने कहा कि इसी उद्देश्य से आज सभी चयनित अभ्यर्थी कूच करने जा रहे हैं। इस मौके पर जगदीश रावत, रोहित, गुरुदेव, विमल, अतुल, जुबिन, रीना, राधा, प्रियंका, रिद्धि, शोभा समेत अन्य मौजूद रहे।

मांगों को लेकर शिक्षकों ने किया प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि।

सतपुली : राजकीय शिक्षक संघ के एकेश्वर ब्लॉक के कार्यकारणी द्वारा मांगों को लेकर खंड शिक्षा कार्यालय में धरना प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी के प्रतिनिधि वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी शिव सिंह नेगी के माध्यम से निदेशक को ज्ञापन प्रेषित किया गया।

खंड शिक्षक संघ के अध्यक्ष गणेश पसबोला ने बताया कि विभाग द्वारा लंबे समय से प्रदोन्नति को जानबूझ कर रोका जा रहा है।

जिस कारण अनेक शिक्षक अपने अधिकारों से वंचित हो रहे है। वहीं राजकीय शिक्षक संघ के जिला महामंत्री बिजेंद्र बिष्ट ने कहा कि वेतन विसंगति के खिलाफ जोरदार आंदोलन किया जाएगा। शासन लंबे समय से चयन प्रोन्नत वेतमान का भुगतान नहीं कर रहा है। वहीं शिक्षक संघ ने राजकीय सेवा में प्रधानाचार्य की नियुक्ति में प्रमोशन न कर के जानबूझ कर इंटर कालेजों को प्रधानाचार्य विहीन रखा जा रहा है। इस अवसर पर नीरज पटवाल, विजय धस्माना, राकेश पोखरियाल सहित अनेक विद्यालयों के शिक्षक एवं प्रधानाचार्य मौजूद रहे।

ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना बनी दिव्यांग बीना का सहारा

हरिद्वार। मुख्य विकास अधिकारी हरिद्वार, आकांक्षा कोण्डे के निर्देशों के क्रम में जनपद के समस्त विकासखंडों में अल्ट्रा पुअर सपोर्ट, एंटरप्राइजेज (फॉर्म & नॉन फॉर्म), और सीबीओ लेवल के एंटरप्राइजेज की स्थापना की गई है। इसी कड़ी में ग्राम्य विकास विभाग के अंतर्गत संचालित अंतर्राष्ट्रीय कृषि विकास कोष (काअऊ) द्वारा वित्तपोषित ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना द्वारा स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का काम कर रही है। यह परियोजना विशेष रूप से अल्ट्रा–पुअर श्रेणी की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर आत्मनिर्भरता की नई राह दिखा रही है।

इसका एक जीवंत उदाहरण लक्सर विकासखंड के कंकरखाता गाँव की बीना हैं। दिव्यांग होने के कारण बीना के पास आजीविका का कोई निश्चित साधन नहीं था, जिससे उन्हें अपने परिवार का भरण–पोषण करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। वे 'महिला शक्ति' स्वयं सहायता समूह की सदस्य हैं जो संगम सीएलएफ के अंतर्गत आता है। इसी दौरान ग्रामोत्थान परियोजना की टीम ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान उनकी स्थिति को समझा। बीना ने एक प्रोविजन स्टोर खोलकर अपनी आजीविका शुरू करने की इच्छा व्यक्त की। उनकी लगन और इच्छाशक्ति को देखते हुए, परियोजना ने उन्हें अल्ट्रा–पुअर गतिविधि के तहत सहयोग प्रदान किया। प्रोविजन स्टोर की कुल लागत 39,500 थी, जिसमें बीना ने 4,500 का अंशदान दिया और शेष 35,000 की धनराशि परियोजना द्वारा ब्याज–मुक्त ऋण के रूप में प्रदान की गई। इस वित्तीय सहायता से बीना ने अपना प्रोविजन स्टोर सफलतापूर्वक स्थापित कर लिया है। आज वह इस उद्यम के माध्यम से प्रति माह ₹5000 से 8000 तक की आय अर्जित कर रही हैं, जिससे वह अपने परिवार का भरण–पोषण सम्मान के साथ कर पा रही हैं। बीना की यह कहानी उन अनगिनत महिलाओं के लिए प्रेरणा है जो कठिन परिस्थितियों के बावजूद आत्मनिर्भर बनने का सपना देखती हैं।

डीएल रोड में क्रीड़ा एवं शैक्षणिक भवन का भूमि पूजन

देहरादून। विधायक खजानदास ने सोमवार को संत शिरोमणि गुरु रविदास सभा समिति डीएल रोड द्वारा अंबेडकर धर्मशाला एवं मंदिर प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में क्रीड़ा एवं शैक्षणिक हॉल निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। इस अवसर पर विधायक खजान दास ने समिति के कार्यों की सराहना की और क्रीड़ा एवं शैक्षणिक हॉल के निर्माण से आसपास के निवासियों और युवाओं को लाभ मिलने की उम्मीद जताई। समिति अध्यक्ष उमेश कुमार, महासचिव देवेंद्र कुमार सिद्धू ने बताया कि समिति निरंतर उपेक्षित समाज के उत्थान के लिए प्रयासरत है और लगातार जनहित से जुड़े कार्यों को करता रहता है।

मौके पर कोषाध्यक्ष कपिल कुमार, भाजपा करनपुर मंडल अध्यक्ष राहुल लारा, भाजपा महानगर प्रवक्ता उमा नरेश तिवारी, महेश पाल, रवि गोलू मौजूद थे।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले आरोपी गिरफ्तार

हरिद्वार। शहर कोतवाली पुलिस ने किशोरी से दुष्कर्म करने के मामले में फरार चल रहे आरोपी को परमार्थ घाट से गिरफ्तार किया है। आरोप है कि युवक नाबालिग को बहला–फुसलाकर घर से ले गया, जिसके बाद दुष्कर्म किया। आरोपी के संपर्क में कई अन्य नाबालिग लड़कियां भी थी, जिनसे वह बातें करता था। बीते शनिवार को शहर कोतवाली क्षेत्र की एक महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि आरोपी कन्हैया उनकी नाबालइसके बाद मेडिकल कराया गया। मेडिकल के बाद पुलिस ने आरोपी कन्हैया को गिरफ्तार कर लिया। इंस्पेक्टर रितेश शाह ने बताया कि आरोपी कई अन्य नाबालिग लड़कियों के भी संपर्क में था।आरोपी के खिलाफ पोक्सो एक्ट में केस दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है।

नाबालिग बेटे पर हमले में मां घायल

देहरादून। माता–पिता के बीच विवाद में एक नाबालिग पुत्र पर हमला किया गया। हमले का आरोप बेटे की मां पर लगा है। इस घटना के बाद से बच्चा क्षुब्ध है। एयरफोर्स अधिकारी पिता को बच्चे को काउंसलिंग के लिए उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग लाना पड़ा है। दो बार की सुनवाई में मां अभी तक एक भी बार सुनवाई में नहीं पहुंची है। बाल आयोग ने इस मामले में पुलिस को रिपोर्ट दर्ज कारवाई के निर्देश दिए हैं। यह मामला ऋषिकेश का है। ऋषिकेश निवासी एयरफोर्स अधिकारी का विवाह के 15 साल तक दोनों का वैवाहिक जीवन अच्छा चला। दोनों के दो बेटे भी हुए। दोनों ने कई शहरों में प्रापर्टी खरीदी, ऋषिकेश में काफी पुश्तैनी जमीन भी युवक के हिस्से आई। पांच साल पहले महिला एक प्रापर्टी डीलर के संपर्क में आई। आरोप है कि उसके कहने पर महिला ने प्रापर्टी का बड़ा हिस्सा बेच दिया और अपने बड़े बेटे को लेकर पति से अलग दक्षिणी राज्य स्थित अपने मायके चली गई। छोटा बेटा पति के पास ही रहने लगा। तीन हफ्ते पहले ऋषिकेश स्थित दुकान पर कब्जाने की नीयत से कुछ लोगों ने हमला किया।आरोप है कि भी महिला भी दौरान मौजूद थी। उस समय छोटा बेटा दुकान पर बैठा था। मां के साथ आए लोगों का रौद्र रूप देखकर बच्चा विचलित हो गया। आरोपी पक्ष डीवीआर भी ले गया। पिता ने इस हमले की सूचना पुलिस को भी दी। बाल आयोग अध्यक्ष ने ऋषिकेश पुलिस को मामले की जांच कर मुकदमा दर्ज करने को कहा है।

नालापानी चौक पर ट्रैफिक सिग्नल शुरू

देहरादून। सहस्त्रधारा रोड पर सोमवार को पहला ट्रैफिक सिग्नल चौक शुरू हो गया। नालापानी चौक पर ट्रैफिक लाइटें लगाकर यहां ट्रैफिक सिग्नल से यातायात संचालन शुरू किया गया है।

सोमवार को अचानक चौराहे पर ट्रैफिक सिग्नल चले तो लोग समझ नहीं पाए। दिन में काफी समय पर लोग बिना सिग्नल देखे पहले की तरह गुजरते रहे। इससे कई बार कुछ लोगों के रुकने और कुछ के चलते रहने से परेशानी की स्थित आई।

एसपी ट्रैफिक लोकजीत सिंह ने कहा कि अभी चौक पर ट्रैफिक सिग्नल शुरू हुआ है। यहां धीरे–धीरे कार्रवाई कर लोगों को इसके अनुसार चलने की आदत भी डलवाई जाएगी।

जनपद में गौवंश का जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अनिवार्य रूप से कराया जाय: पं0 राजेन्द्र प्रसाद अंथवाल

हरिद्वार। जनपद में आवारा पशु एवं गौवंश की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए अध्यक्ष उत्तराखण्ड गौसेवा आयोग पं राजेन्द्र अंथवाल एवं जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की संयुक्त अध्यक्षता में जनपदीय पशु क्रूरता निवारण समिति की बैठक विकास भवन सभागार में आयोजित की गयी। जिसमें जनपद हरिद्वार में संचालित पंजीकृत गौशालाओं में रह रहे पशुओं एवं आवारा पशुओं एवं गौवंशों के सुरक्षा के सम्बन्ध में की जा रही व्यवस्था के सम्बन्ध में समीक्षा की गयी। बैठक में विगत बैठक में दिये गये निर्देशों पर भी चर्चा की गयी।बैठक में अध्यक्ष उत्तराखण्ड गौसेवा आयोग पं राजेन्द्र अंथवाल ने सम्बन्धित अधिकारियों एवं पशु क्रूरत समिति के सदस्यों एवं पुलिस से कहा कि जनपद हरिद्वार धार्मिक नगरी है सभी का यह कर्त्तव्य है कि धर्म नगरी में किसी भी तरह से गौ तस्करी एवं हत्या न हो इस पर सभी कड़ी निगरानी रखे। गौतस्करी एवं गौहत्या करने वाले के विरूद्ध कड़ी से कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पशुपालन विभाग को निर्देश दिये है कि जनपद में जन्म एवं मृत्यु गौवंश का पंजीकरण कराया जाए तथा इसके लिए पंजीकरण कराते हुए रजिस्टर तैयार किया जाए जिसमें सभी पशुओं का डाटा होना जरूरी है। उन्होंने जनपद में संचालित एवं पंजीकृत गौशालाओं एवं निर्माणधीन गौसदनों नगरपालिकाओं, नगर पंचायतों एवं जिला पंचायतों में नये गौसदन बनाये जाने हेतु भूमि चयन किये जाने की भी समीक्षा की गयी। उन्होंने नगर निगम एवं नगर पालिकाओं के अधिकारीयों को निर्देश दिये कि निरश्रित गौवंश के लिये जो भी गौसदन निमार्णधीन है उनका कार्य शीघ्रता से पूर्ण कर लिया जाय।

सीडीओ अध्यक्षता में हुआ जन सुनवाई कार्यक्रम आयोजित

हरिद्वार। जनपदवासियों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे ने जिला कार्यालय सभागार में जन सुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों द्वारा विभिन्न विभागों से संबंधित 92 समस्याएं दर्ज कराई गई जिसमें 35 समस्याओं का मौके पर निराकरण किया गया शेष समस्याओं हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया।

जनसुनवाई कार्यक्रम में समस्त ग्रामीण कालेवाला छुटमलपुर ने ग्राम मुकर्रमपुर उर्फ कालेवाला में सरकारी राशन वितरण में घोटाला एवं भ्रष्टाचार होने के कारण राशन डीलर का लाइसेंस निरस्त करने के सम्बन्ध में शिकायत की गई। प्राथी शिवराम सिंह ग्राम सभा नारसन खुर्द के खसरा नंबर 181 के तालाब की जमीन पर अतिक्रमण कर पक्के मकानों को हटाने की मांग की गई। प्रधान शमशेर अली ने ग्राम पंचायत लालवाला खालसा में निमित पंचायत घर पर जलभराव और जर्जर होने के कारण नया पंचायत घर बनाने की मांग की गई। हरवेंदर, दीपक ग्राम सजनपुर पीली,ब्लॉक भगवानपुर ने ग्राम समाज की भूमि खसरा नंबर 670 को प्रॉपर्टी डीलरो से कब्जा मुक्त करने की शिकायत की गई। वासु चौहान ने ग्राम कटारपुर अलीपुर,ब्लॉक बहादराबाद में उत्तराखंड जल संस्थान द्वारा हर घर जल योजना में मानकों के विपरीत कार्य एवं पाइप लाइन लीकेज होने के संबंध में शिकायत की गई। मो तालिब ने ग्राम इब्राहिमपुर,ब्लॉक बहादराबाद में नाले के बराबर में राव निसार के घर से पानी की टंकी तक रोड बनाने की मांग की गई। बालादेवी

निवासी गोविंदपुरी हरिद्वार ने प्रधानमंत्री योजना के तहत मकान दिलाने की मांग की गई। समस्त लालवाला खालसा के ग्रामवासियों द्वारा लालवाला में कब्रिस्तान की भूमि की स्वीकृति के लिए प्रार्थना पत्र दिया। प्रधान महिपाल सिंह धीमन ने ग्राम पंचायत मोहम्मदपुर बुजर्ग में ग्राम वासियों के बने राशन कार्डों की जांच कराते हुए पात्रता अनुसार नए कार्ड बनाए जाए की मांग की गई। वरुण कुमार चौहान ने सीतापुर वार्ड न 59 के पंचायती घर पर आवश्यक कब्जा कर रहे लोगों से कब्जा मुक्त कराने की शिकायत की गई। मालती देवी ने ग्राम दादूवास ग्रांट के मौजा लालवाला माजरा में नदी के जलस्तर बढ़ने से कटाव रोकने के लिए पत्थर की पिचिंग लगवाने की मांग की गई।मंजीत सिंह ने ग्राम पंचायत आदर्श टिहरी नगर में अधूरे पार्क को पूरा बनवाने के संबंध में प्रार्थना पत्र दिया। बलबीर सिंह ने ग्राम डालूवाला खुर्द परगना रुड़की ने अपनी भूमि की पैमाईश कराएं जाने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनसुनवाई में दर्ज कराई जा रही है समस्याओं को त्वरित एवं समयबद्धता के साथ निराकरण करना सुनिश्चित करे। इसमें किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही एवं स्थिलता नहीं होनी चाहिए, ,उन्होंने ये भी निर्देश दिए है कि जिन समस्याओं पर स्थलीय निरीक्षण मौका मुआयना किया जाना है उसके लिए तत्काल मौके पर जाकर आवश्यक करवाई करना सुनिश्चित करे,तथा इसकी आख्या जिला कार्यालय को भी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करे।

बैठक में अपर जिलाधिकारी दीपेंद्र सिंह नेगी,अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती,उप जिलाधिकारी जितेंद्र कुमार, जिला विकास अधिकारी वेद प्रकाश,मुख्य शिक्षा अधिकारी केके गुप्ता, डीएसओ तेजबल सिंह,मुख्य क्रीड़ा अधिकारी शैफाली गुरांग ,तहसीलदार सचिन कुमार सहित जिला स्तरीय सम्बन्धित अधिकारी एवं विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादी मौजूद रहे।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469 / 79
फोन / फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com